दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 31 डिग्री
न्युनतम तापमान 25 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 31 डिग्री
न्युनतम तापमान 24 डिग्री

गुरुवार 02 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06:15 बजे
सूर्यास्त सांय 18:06 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अमरीका-पाक संबंध और भारत का विरोध

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 348 | गाजियाबाद, गुरुवार 02 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

संघ ने हर चुनौतियों का डटकर सामना किया : मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपनी प्राथमिकताओं को राष्ट्र की प्राथमिकताओं के साथ संरेखित करते हुए हर युग में देश के सामने आने वाली बड़ी चुनौतियों का डटकर सामना किया है।

श्री मोदी ने बुधवार को यहां आरएसएस के शताब्दी समारोह में कहा कि गुरुवार को विजयादशमी का महापर्व है जो भारतीय संस्कृति के शाश्वत उद्घोष का प्रतीक है। ऐसे ही पावन अवसर पर शताब्दी वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना कोई संयोग नहीं है। उन्होंने कहा कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही एक प्राचीन परंपरा का पुनरुद्धार है जिसमें राष्ट्रीय चेतना प्रत्येक युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए रूपों में प्रकट होती है।

उन्होंने इस उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया है। 100 रुपये के इस सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न और दूसरी ओर स्वयंसेवकों द्वारा सलामी दिए जा रहे सिंह के साथ वरद मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि अंकित है। श्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में संभवतः यह पहली बार है जब भारत माता की छवि भारतीय मुद्रा पर दिखाई दी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि 1963 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने देशभक्ति की धुनों पर ताल से ताल मिलाते हुए बड़े गर्व के साथ परेड में भाग लिया था। उन्होंने कहा कि यह डाक टिकट उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति को समेटे हुए है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार महान नदियाँ अपने तटों पर मानव सभ्यताओं का पोषण करती है उसी प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी असंख्य जीवन को पोषित और समृद्ध किया है। एक नदी जो अपने माध्यम से बहने वाली भूमि, गाँवों और क्षेत्रों को आशीर्वाद देती है इसी प्रकार संघ ने भारतीय समाज के हर क्षेत्र और राष्ट्र के हर क्षेत्र को छुआ है। श्री मोदी ने कहा कि संघ के अनेक धाराओं में विश्तार के बावजूद उनमें कभी विभाजन नहीं हुआ।

श्री मोदी ने कहा, 'अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक महान उद्देश्य - राष्ट्र निर्माण - को अपनाया है।' उन्होंने कहा कि संघ अपनी स्थापना के समय से ही देशभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि विभाजन के कष्टदायक दौर में जब लाखों परिवार विस्थापित हुए थे, स्वयंसेवक सीमित संसाधनों के बावजूद शरणार्थियों की सेवा में सबसे आगे खड़े रहे।

दिल्ली-कोलकाता समयबद्ध कंटेनर ट्रेन सेवा शुरू

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रेलवे ने बुधवार से दिल्ली में तुगलकाबाद से कोलकाता के बीच परीक्षण के तौर पर एक समयबद्ध कंटेनर ट्रेन सेवा शुरू की जो 120 घंटे में यह दूरी तय करेगी। भारतीय रेल ने एक बयान में कहा कि यह सेवा ग्राहकों के लिए उनके समयावधि की दृष्टि से संवदेनशील माल की ढुलाई के लिए सुविधाजनक होगी।

रेलवे की विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय कंटेनर निगम लि की यह सुनिश्चित पारगमन समय वाली विशेष कंटेनर ट्रेन सेवा का परिचालन अभी पायलट आधार पर तुगलकाबाद रेलवे स्टेशन से कोलकाता के शालीमार स्टेशन के बीच शुरू किया गया है। इसे आगरा और कानुपर स्टेशन पर ठहराव दिया जाएगा। इन स्टेशनों पर ग्राहक सामान चढा-उतार सकेंगे। दिल्ली से कोलकाता पहुंचने में यह ट्रेन 120 घंटे का समय लगायेगी। यह सेवा अभी सप्ताह में दो बार उपलब्ध होगी और कंटेनर ट्रेन प्रत्येक बुधवार और शनिवार को दिल्ली से प्रस्थान करेगी। ग्राहकों को तुगलकाबाद से कानपुर तक खाली वैगन ढुलाई शुल्क में छूट का लाभ मिलेगा, जिससे लागत कम होगी। रेलवे ने कहा है कि इस सुनिश्चित ट्रांजिट ट्रेन सेवा का शुभारंभ एक अधिक कुशल और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार आपूर्ति श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम होगा।

गेहूं का नया एमएसपी 2582 रुपये हुआ, बीते साल से 160 रुपये का हुआ इजाफा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्र सरकार ने रबी फसल वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं सहित चुनींदा फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए एमएसपी में वृद्धि को हरी झंडी दिखायी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी देते हुए कहा कि गेहूं का एमएसपी 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है।

इसके अलावा जौ का एमएसपी 2150 रुपये प्रति क्विंटल, चना 5875 रुपये प्रति क्विंटल, मसूर 7000 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों /रेपसीड 6200 रुपये प्रति क्विंटल और सैफफ्लावर (कुसुम) का एमएसपी 6540 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है।

अगर साल रबी फसल वर्ष 2025-26 से तुलना करें तो गेहूं के एमएसपी में 160 रुपये प्रति क्विंटल का इजाफा किया गया है।

इसी तरह जौ में 170 रुपये, चने में 225 रुपये, मसूर में 300 रुपये, सरसों में 250 रुपये और सैफफ्लावर के एमएसपी में 600 रुपये क्विंटल का इजाफा कर दिया गया है।

तिलहन में सबसे ज्यादा एमएसपी सैफफ्लावर का बढ़ाया गया है जबकि दलहन में मसूर का एमएसपी सबसे अधिक किया गया है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 में गेहूं की लागत 1239 रुपये आंकी गई है और नये एमएसपी 2585 के हिसाब से किसान को लागत का 109 प्रतिशत अधिक भाव मिलेगा। इसी तरह जौ की लागत साल 2026-27 में 1361 रुपये आंकी गई है और उसकी नयी एमएसपी 2150 के अनुसार किसान को लागत से 58 प्रतिशत अधिक भाव मिलेगा।

इस तरह चने की लागत 3699 रुपये की तुलना में किसान को 5875 रुपये नयी एमएसपी के अनुसार 59 प्रतिशत अधिक, मसूर की लागत 3705 रुपये की तुलना में नयी एमएसपी 7000 रुपये के हिसाब से 89 प्रतिशत अधिक, सरसों की लागत 3210 रुपये के हिसाब से नयी एमएसपी 6200 में 93 का फायदा और सैफफ्लावर की लागत 4360 है

खरगे को डॉक्टरों ने दी पेसमेकर लगाने की दी सलाह

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को मंगलवार को सांस लेने में तकलीफ होने पर बेंगलुरु एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। श्री खरगे की हालत अब स्थिर है और उन्हें डॉक्टरों ने पेसमेकर लगाने की सलाह दी है। श्री खरगे के बेटे और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने बुधवार दोपहर सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा श्री खरगे को डॉक्टरों ने पेसमेकर लगाने की सलाह दी है और उन्हें पहले से रूटीन प्लान के तहत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और वह बेहतर महसूस कर रहे हैं। श्री प्रियांग खरगे ने कहा कि आपकी चिंता और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं।

हम ऐसी विकेट पर खेलना चाहते हैं, जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों को कुछ दे : गिल

✷ वेबवार्ता. अहमदाबाद ✷। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि पिछली घरेलू सीरीज में न्यूजीलैंड के ख़िलाफ मिली 3-0 के हार के बाद वेस्टइंडीज के ख़िलाफ अच्छा प्रदर्शन करना बहुत ज़रूरी हो गया है। अहमदाबाद टेस्ट से एक दिन पहले पत्रकारों से बात करते हुए गिल ने कहा, 'पिछले कुछ सालों में अगर आप टेस्ट मैच देखें तो वे पांच दिन तक नहीं चले हैं। इसलिए हमारा लक्ष्य हार्ड क्रिकेट खेलना है।

केन्द्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की वृद्धि

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने दशहरा

और दीपावली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों एवं पेंशनभोगियों को राहत देते हुए महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में तीन प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दे दी है।

यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया।

सरकार के इस फैसले से लगभग 48 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों को सीधा लाभ मिलेगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह वृद्धि एक जुलाई, 2025 से प्रभावी मानी जाएगी।

वर्तमान में कर्मचारियों को 55 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता मिल रहा था, जो अब बढ़कर 58 प्रतिशत हो गया है।

सरकार का कहना है कि जुलाई, अगस्त और सितंबर माह के बकाया एरियर अक्टूबर की वेतन पर्ची के साथ, दीपावली से पहले जारी कर दिए जाएंगे।

विवाहिता को तेजाब पिलाकर मारने का प्रयास, गाज़ियाबाद की बेटी मेरठ में मौत से लड़ रही जंग

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। गाजियाबाद के जेल रोड मंडोली स्थित एक विवाहिता को ससुराल में दहेज की मांग के चलते तेज़ाब पिलाकर हत्या का प्रयास किया गया। पीड़िता वर्तमान में मेरठ के एक निजी अस्पताल में जीवन और मृत्यु की जंग लड़ रही है। घटना की जानकारी पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पीड़िता के पिता गजराज सिंह ने बताया कि उनकी पुत्री ज्योति की शादी इस वर्ष फरवरी में दिल्ली के मंडोली एक्सटेंशन निवासी ललित से हुई थी। शादी के समय उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार वैगनआर कार समेत अन्य सामान उपहार में दिए। लेकिन शादी के बाद से ही ससुराल वाले उनकी बेटी को 10 लाख रुपये के दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। 15 सितंबर को ललित ने अपने ससुराल में ज्योति को तेजाब पिलाया, जिससे उसका गला और आंतरिक नली क्षतिग्रश्त हो गई। जब पिता उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, तो स्थिति गंभीर थी। कुछ दिन अस्पताल में रहने के बाद ससुराल पक्ष ने उसे अकेला छोड़ दिया। पिता ने बेटी को अपने साथ घर ले आए, लेकिन 26 सितंबर को उसकी खून की उल्टी होने पर उसे फिर से अस्पताल ले जाना पड़ा। चिकित्सकों ने मेरठ के निजी अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी, जहां ज्योति का इलाज जारी है। पीड़िता के पिता ने कहा, 'मेरी बेटी बोल भी नहीं पा रही है। वह लगातार दर्द और पीड़ा से जूझ रही है। हम न्याय चाहते हैं और आरोपियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं।'

सीकरी महामाया मंदिर परिसर में ग्रामीणों का अनशन जारी, विकास कार्य बाधित करने का आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद ज़िले के मोदीनगर क्षेत्र में स्थित सीकरी महामाया मंदिर परिसर में ग्रामीणों का विभिन्न मांगों को लेकर शुरू किया गया धरना और क्रमिक अनशन बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन पर मंदिर के विकास और सौंदर्गीकरण के कार्यों को बाधित करने का गंभीर आरोप लगाया है। धरने पर बैठे ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा मंदिर के फंड (निधि) को रोक दिया गया है। फंड रुकने के कारण मंदिर परिसर में सौंदर्गीकरण और अन्य आवश्यक विकास कार्य बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे इन विकास कार्यों को शीघ्र शुरू कराने की मांग को लेकर ही विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। धरने की अध्यक्षता चाहत सिंह गुर्जर ने की, जबकि इसका संचालन निर्दोष खटाना द्वारा किया गया। अनशन में आज वीर सिंह और सूबे सिंह सहित कई अन्य ग्रामीण सक्रिय रूप से शामिल रहे।

सामाजिक एकजुटता और प्रशासनिक निष्क्रियता का आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। ग्रामीणों का कहना है कि यह धार्मिक स्थल उनकी आस्था का केंद्र है और इसके विकास में प्रशासन का यह रवैया पूरी तरह से निराशाजनक है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं और मंदिर के विकास के लिए फंड जारी नहीं किया जाता, तब तक उनका यह धरना और क्रमिक अनशन लगातार जारी रहेगा। इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से ग्रामीणों ने अपनी सामाजिक एकजुटता का प्रदर्शन किया है और प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल उठाए हैं।

डेढ़ सौ कुंतल अवैध पटाखे बरामद, केयरटेकर हिरासत में

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। नगर कोतवाली क्षेत्र के दिल्ली गेट और घंटाघर के पास न्यू मार्केट में क्राइम ब्रांच ने अवैध पटाखों के बड़े जखीरे का भंडाफोड़ किया। मंगलवार देर रात की गई छापेमारी में लगभग 1 करोड़ रुपए मूल्य के पटाखे बरामद हुए। तीन अलग-अलग गोदामों से कुल डेढ़ सौ कुंतल पटाखों को जब्त किया गया। पुलिस को पुख्ता सूचना मिली थी कि रिहायशी इलाके में कुछ कमरों को गोदाम में बदलकर अवैध रूप से आतिशबाजी का भंडारण किया जा रहा है। छापेमारी के दौरान मुर्गा छाप लड़ी, स्काई शॉट्स, अनार, फुलझड़ी और अन्य खतरनाक पटाखों की सैकड़ों पेटियां बरामद हुईं। इतनी बड़ी मात्रा में पटाखों का भंडारण किसी भी समय भारी हादसे का कारण बन सकता था। सुप्रीम कोर्ट ने केवल ग्रीन पटाखों के निर्माण की अनुमति दी है, जबकि दिल्ली-एनसीआर में इनके भंडारण और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध है। इसके बावजूद यहां अवैध कारोबार चल रहा था। गोदाम में कार्यरत सुनील ने खुलासा किया कि यह गोदाम जितेंद्र यादव का है, जो लंबे समय से इस अवैध कारोबार में लिप्त है।

नोएडा में दिवाली से पहले मिलेगा

भंगेल एलिवेटेड रोड का तोहफा

नोएडा , एजेंसी। नोएडा में दिवाली से पहले लोगों को भंगेल एलिवेटेड रोड का तोहफा मिल जाएगा। इसके अलावा लोगों को जंगल ट्रेल में घूमने का मौका मिलेगा। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने इन दोनों परियोजनाओं का शुभारंभ करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से समय मांगा है। उम्मीद है कि 10 दिन में इनकी शुरुआत हो सकती है। दादरी-सूरजपुर-छलेरा यानी डीएससी मार्ग पर बन रहे भंगेल एलिवेटेड रोड का काम पूरा हो चुका है। लाइटें लगाने का काम अंतिम चरण में है। एलिवेटेड रोड के नीचे काम बचा हुआ है। नोएडा प्राधिकरण ने इस बचे काम को पूरा करने के लिए प्रक्रिया तेज कर दी है। लोग इस एलिवेटेड रोड को जल्द शुरू करने की मांग काफी समय से कर रहे हैं। इस एलिवेटेड रोड के शुरू होने में देरी से लोगों की परेशानी बढ़ रही है। इसको देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने इसका शुभारंभ करने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय से समय मांगा है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि भंगेल एलिवेटेड रोड का काम जून 2020 में शुरू हुआ था। यह एलिवेटेड रोड सेक्टर-41 आगाहपुर से फेज टू स्थित नाले के पास तक बना है। इस एलिवेटेड रोड के शुरू होने स सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा, दादरी की ओर आना-जाना आसान हो जाएगा।

एनसीआर के लोगों के लिए जंगल ट्रेल पार्क खास होगा

सेक्टर-95 में महामाया फ्लाईओवर के पास बना नोएडा जंगल ट्रेल पार्क दिल्ली-एनसीआर के लोगों के घूमने के लिए खास स्थान होगा। यहां कबाड़ और लोहे से अलग-अलग जानवरों की आकृतियां बनाई गई हैं। यह महामाया फ्लाईओवर और दलित प्रेरणा स्थल के बीच में बना है। यहां लोग आसानी से मेट्रो के जरिए पहुंच सकेंगे। इस पार्क के सबसे नजदीक मेट्रो स्टेशन ओखला पक्षी विहार होगा। यह स्टेशन नोएडा-दिल्ली के बीच चलने वाली मजेंटा मेट्रो लाइन का स्टेशन है।

पहले सीट साफ हो, फिर फैसला करेंगे, चिराग पासवान खुद लड़ने पर अब भी कन्फ्यूज हैं

पटना, एजेंसी।
लोक जनशक्ति पार्टी - रामविलास (एलजेपी-आर) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान अभी तक मन नहीं बना सके हैं कि बिहार के विधानसभा चुनाव में वो खुद लड़ेंगे या नहीं लड़ेंगे। चिराग पासवान ने कहा है कि पहले सीट बंटवारा हो जाए कि किस पार्टी को कितनी और कौन सीटें मिलीं, तब उनकी पार्टी का केंद्रीय संसदीय बोर्ड तय कर लेगा कि उनको चुनाव लड़ना है या नहीं लड़ना है। 'बिहार बुला रहा है' बोलकर चुनाव से पहले संकल्प सभाओं के साथ चिराग ने मुख्यमंत्री पद की रेस में कूदने का माहौल बना दिया था, लेकिन बाद में उन्होंने साफ कर दिया कि नीतीश कुमार सीएम हैं और आगे भी सीएम रहेंगे।

चिराग पासवान की शुरुआती सभाओं के दौरान यह बात भी चली थी कि वो आरा में किसी सीट से खुद भी लड़ सकते हैं। उनके बहनोई और पार्टी के सांसद अरुण भारती ने भी इस तरह की बातों को हवा दी। लेकिन जब चिराग पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी से कोई कार्यकर्ता डिप्टी सीएम पद को सुशोभित करे तो यह समझ बनी कि सीएम पद की सीधी दावेदारी साफ नहीं हो तो चिराग खुद नहीं लड़ेंगे लेकिन डिप्टी सीएम पद के लिए पार्टी से किसी को बढ़ाएंगे। इस रेस में अरुण भारती का ही नाम चला और सीट सिकंदरा बताई जा रही है, जहां से जीतनराम मांझी की पार्टी हम के प्रफुल्ल मांझी सिटिंग विधायक हैं। चिराग पासवान ने मंगलवार को कहा- एक बार सीट शेयरिंग हो जाए।

निरर्थक मुकदमेबाजी से हो रही देश के संसाधनों की बर्बादी

जस्टिस बीवी नागरत्ना

भुवनेश्वर, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने सरकारी संस्थानों को फटकार लगाते हुए कहा कि वे अक्सर ऐसे मुकदमों में संसाधन खर्च करते हैं, जिनकी सफलता की कोई संभावना नहीं होती। उन्होंने कहा, अगर सरकारी संस्थान बेवजह एक के बाद एक मुकदमा दायर करते रहेंगे, तो देश के संसाधन बर्बाद होंगे और न्यायालय का समय भी व्यर्थ जाएगा। भुवनेश्वर में 27 सितंबर को आयोजित एक सम्मेलन में बोलते हुए जस्टिस नागरत्ना ने वकीलों से खुद को मानव संघर्ष के उपचारक के रूप में देखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संसद द्वारा पारित मेडिएशन एक्ट, 2023 न्याय तक पहुंच को आसान बनाने और अदालतों का बोझ घटाने का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस भ्रांति को खारिज किया कि मध्यस्थता (मेडिएशन) न्याय का कमजोर रूप है। उनके अनुसार, यह न्याय पाने का समयबद्ध, सुलभ और समान तरीका है। जस्टिस नागरत्ना ने कई सुझाव भी दिए। पर्यावरण विवादों के लिए ग्रीन मीडिएटर, स्वास्थ्य मामलों में पेशेंट एडवोकेसी ग्रुप्स, बौद्धिक संपदा विवादों के लिए ẖẖẖ जैसी

विफलता पर सवाल

पूर्व एडवोकेट जनरल बीरेन्द्र सराफ ने कॉमर्शियल कोर्ट्स एक्ट की धारा 12-ए के तहत प्री-लिटिगेशन मेडिएशन की विफलता पर कड़ा सवाल उठाया। जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह ने मेडिएशन डिवाइड को कम करने की जरूरत बताई, विशेषकर मेट्रो शहरों और ग्रामीण जिलों के बीच। उन्होंने वकालत शिक्षा में मेडिएशन को शामिल करने की भी वकालत की।

पहले किया एनकाउंटर, फिर सड़क पर निकाल दी अपराधियों की परेड

फरीदाबाद एजेंसी।
फरीदाबाद में क्राइम ब्रांच की टीमों ने बुधवार सुबह डबुआ सब्जी मंडी से लेकर गाजीपुर रोड तक मुठभेड़ में पकड़े गए आरोपियों की परेड निकाली। इससे सड़कों पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आरोपियों को कपड़ा व्यापारी से रंगदारी मांगने और हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार किया गया था। गुंडागर्दी से निपटने के लिए पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई को लोगों को अवगत करवाने के लिए ये परेड निकाली गई। डबुआ सब्जी मंडी और गाजीपुर रोड पर पुलिस रिमांड पर चल रहे सभी चारों आरोपियों को लेकर यह परेड निकाली गई। इनमें से गोली लगने से घायल हुए आरोपी ट्राई साइकिल और लाठी का सहारा लेकर चल रहे थे। बाकी दो आरोपी भी उनके साथ थे। हालांकि, इस मौके पर मौजूद एसीपी क्राइम वरुण दहिया ने परेड निकालने से इंकार किया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस आरोपियों को साथ लेकर मौके की निशानदेही कर रही है। वारदात स्थलों का मौका मुआयना करवाया जा रहा है।

बता दें कि अपराध जांच शाखा सेक्टर-30 और सेंट्रल अपराध जांच की टीमों ने गत माह 27 सितंबर को दो अलग अलग मुठभेड में चार आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की थी। इनमें एक मुठभेड़ पाली -सूरजकुंड रोड पर बाइक सवार बदमाशों से हुई थी। इस दौरान पुलिस ने सरस्वती कॉलोनी निवासी शशिकांत और डबुआ कॉलोनी निवासी रोहित को गिरफ्तार किया था। आरोपी शशिकांत के पैर में गोली लगी थी। पुलिस ने मौके से दो पिस्तौल और बाइक बरामद की थी। इसके कुछ देर बाद बड़खल- पाली रोड पर सैनिक कॉलोनी के नजदीक बाइक सवार दो बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हुई थी।

मनीष को गिरफ्तार किया गया था

पावटा मोहब्बताबाद निवासी कमल भड़ाना और डबुआ कॉलोनी निवासी मनीष को गिरफ्तार किया गया था। कमल भड़ाना के पैर में गोली लगी थी। आरोपी कमल भड़ाना इस गिरोह का मास्टरमाइंड है। पुलिस ने मौके से एकबाइक, तीन पिस्तौल, तीन देशी कट्टे, एक मैगजीन और चार कारतूस बरामद किए थे। आरोपियों ने बीते अप्रैल माह में न्यू जनता कॉलोनी निवासी एक कपड़ा व्यापारी से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। रंगदारी न देने पर उसके घर पर गोलियों की बौछार कर दी थी। सितंबर माह के दौरान डबुआ कॉलोनी के एक घर में घुस कर गोली चला दी थी। वहीं बुजुर्ग महिला को हथौड़ा मारकर घायल कर दिया था। आरोपी कमल भड़ाना पर 15, शशिकांत पर छह , मनीष पर 4 मामले दर्ज हैं। आरोपी कमल गत वर्ष नवंबर माह में और आरोपी शशिकांत गत वर्ष अप्रैल माह में जेल से बाहर आया था। आरोपी एक फिरौती और एक हत्या के प्रयास के मामले में वांटेड थे।

खुलेंगे 100 से अधिक सरकारी प्ले स्कूल? सीएम के ऐलान से जगी आस

फरीदाबाद एजेंसी।
हरियाणा में दो हजार प्ले स्कूल खोले जाएंगे, जहां छोटे बच्चों को उनके घर के पास ही गुणवत्ता वाली शिक्षा मिल सकेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को कुरुक्षेत्र में पोषण माह की 8वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय वर्चुअल कार्यक्रम में यह घोषणा की। सीएम की घोषणा से फरीदाबाद को भी सौ से अधिक स्कूल मिलने की उम्मीद बंधी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में आंगनबाड़ी ढांचे को नई मजबूती प्रदान करते हुए आज 15 करोड़ रुपये की लागत से 500 नवीनीकृत आंगनबाड़ी भवनों का लोकार्पण और नौ करोड़ रुपये की लागत से बने 64 नए आंगनबाड़ी केंद्रों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पोषण कैलेंडर का भी अनावरण किया और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया। राज्य सरकार बच्चों और महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य तथा प्रारंभिक शिक्षा से जुड़े सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पोषण माह केवल विभागीय योजना नहीं, बल्कि शिक्षा, कृषि, पंचायत, महिला एवं बाल विकास और ग्राम विकास विभागों के संयुक्त प्रयास से एक बहुआयामी आंदोलन है। इसके तहत समेकित बाल विकास सेवा योजना के अंतर्गत 6 साल तक के बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण स्तर, मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक विकास की देखरेख की जा रही है। इसी उद्देश्य से राज्य में 4 हजार प्ले-वे स्कूल खोले गए हैं। इनमें 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को प्री-स्कूल शिक्षा प्रदान की जा रही है। इस वित्त वर्ष के बजट में 2 हजार और प्ले-वे स्कूल खोले जाएंगे। ये स्कूल आंगनबाड़ी केंद्रों में ही संचालित किए जाएंगे। इनकी पहचान कर ली गई है।

प्रदेश में चल रहे 500 क्रेच

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कामकाजी महिलाओं के छोटे बच्चों की देखभाल के लिए विस्तृत क्रेच नीति लागू करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। भारत सरकार ने हरियाणा के सभी जिलों में 628 आंगनबाड़ी केंद्रों को आंगनबाड़ी-सह-क्रेच में बदलने की स्वीकृति दी है। इस समय प्रदेश में 500 क्रेच चल रहे हैं। इनमें से 303 क्रेच आंगनबाड़ी केंद्रों को अपग्रेड करके बनाए गए हैं। शेष 197 स्टैंडलोन क्रेच चल रहे हैं। इन क्रेच सेवाओं का लाभ 3,670 से

खेड़ी कलां में आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन

आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने हिस्सा लिया। इस दौरान फरीदाबाद के गांव खेड़ी कलां में हरियाणा के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने नव-नवीनीकृत आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया। मंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा का मजबूत आधार बनेंगे। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम में मंत्री ने दुर्गा अष्टमी की शुभकामनाएं दीं और पोषण माह 2025 को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने मोटापे पर नियंत्रण और संतुलित आहार के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर गर्भवती महिला की गोद भराई, बच्ची का अन्नप्राशन और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष बनते ही विवादों में घिरे राव नरेंद्र, इनेलो ने दिखा दी घोटाले की सीडी

चंडीगढ़, एजेंसी।
कांग्रेस हाईकमान ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले हरियाणा अध्यक्ष बदल दिया है। पूर्व मंत्री राव नरेंद्र को हरियाणा कांग्रेस का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है लेकिन राव की नियु?क्ति से जहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में नाराजगी है तो वहीं, विपक्ष ने भी उनके ?खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा ने सोमवार को चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राव नरेंद्र की पुरानी सीडी दिखाई, जिसमें वह किसी व्यक्ति से 30 एकड़ जमीन की सीएलयू (चेंज आफ लैंड यूज) का सौदा करने की बातचीत कर रहे हैं।

रामपाल माजरा ने पत्रकारों को सीडी दिखाने के साथ-साथ उसमें हुई बातचीत का ब्योरा लिखित में भी दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए राव नरेंद्र सिंह पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप हैं और उन पर पहले से एफआईआर दर्ज है।

माजरा और डबवाली के विधायक आदित्य देवीलाल ने सीडी जारी करते हुए कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा को कांग्रेस ने विपक्ष का नेता बनाया है। हुड्डा तो इसके लिए बधाई के पात्र हैं ही, साथ ही भाजपा भी बधाई की पात्र हैं, क्योंकि भाजपा जिसे चाहती थी, कांग्रेस हाईकमान ने विपक्ष का नेता उसे बना दिया है। माजरा ने कहा कि राहुल गांधी ने हाल ही में बयान दिया था कि हरियाणा की कमान किसी युवा के हाथ में देंगे, लेकिन उसके उलट भ्रष्टाचार में संलिप्त लोगों को प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बना दिया गया है। भाजपा के लिए हुड्डा हमेशा फायदेमंद रहे हैं। इसीलिए भाजपा ने पिछले एक साल से विपक्ष का नेता नहीं होते हुए भी हुड्डा से सरकारी कोठी खाली नहीं करवाई।

राबर्ट वाड्रा की कंपनी को भी सीएलयू देने के चलते हरियाणा कांग्रेस संगठन में हुए बदलाव

माजरा ने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा के राज में हरियाणा में कई जमीन घोटाले हुए थे। विधायकों को सीएलयू दिए जाते थे और उनसे मोटी रकम ली जाती थी। तब इनेलो ने कांग्रेस के तत्कालीन मंत्री राव नरेंद्र का स्टिंग आपरेशन करने के बाद सीडी जारी की थी। माजरा ने आरोप लगाया कि इस सीडी में राव नरेंद्र सीएलयू करवाने के 30 करोड़ से 50 करोड़ रुपए तक मांगते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने अपनी पार्टी में हर तरफ देखा, लेकिन कोई भी साफ सुथरी छवि वाला व्यक्ति नहीं मिला। कैप्टन अजय यादव ने राव नरेंद्र सिंह की नियुक्ति को लेकर जो सवाल उठाए हैं, वह बिल्कुल सही हैं। उन्होंने कहा कि राव नरेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की कांग्रेस पार्टी की कौन-सी मजबूरी थी, यह राहुल गांधी को स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हुड्डा सरकार में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद राबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हास्पिटेलिटी को भी सीएलयू दिया गया था। शायद उसी के चलते हरियाणा कांग्रेस के संगठन में यह बदलाव हुए हैं। कांग्रेस ने पुरानी शराब को नई बोतल में डाल के दिया है। अगर कांग्रेस को प्रदेशाध्यक्ष चुनना था तो कुमारी सैलजा, अशोक अरोड़ा, रणदीप सुरजेवाला, कैप्टन अजय यादव और कुलदीप शर्मा में से किसी को चुन सकती थी। सीडी कांड साल 2013 का है, जब इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला ने कांग्रेस के तत्कालीन पांच विधायकों राव नरेंद्र, विनोद भ्याना, नरेश सेलवाल, जरनैल सिंह और रामनिवास घोड़ेला की सीडी जारी की थी। इसमें इन सभी पर सीएलयू के बदले पैसे मांगने के आरोप थे। लोकायुक्त ने पांचों तत्कालीन विधायकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे।

जरीफपुर में हुई भारतीय किसान यूनियन-संयुक्त मोर्चा की बैठक

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। गांव जरीफपुर चतर में ग्राम प्रधान ब्रह्मपाल सिंह के आवास पर भारतीय किसान यूनियन (संयुक्त मोर्चा) की बैठक हुई। जिसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। साथ ही सरकार से बिजली का निजीकरण रोकने, सत्र शुरु होने से पहले लाभकारी गन्ना मूल्य घोषित करने, निराश्रित संरक्षित पशुओं को पकड़ाकर गोशाला भिजवाने, गुलदारों की समस्या से निजात दिलाने आदि की मांग की गई। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने की अपील की। जिला अध्यक्ष विनीत कुमार तोमर, जिलाध्यक्ष अमरोहा राहुल सिद्धू, जिला सचिव विनीत कटारिया, सचिन पवार, सत्येंद्र सिंह डबास, तिलकचंद, कुलदीप राठी, सुनील राठी, धर्मेंद्र सिंह, मोहित कुमार आदि उपस्थित रहे।

14 वर्षीय किशोर ने पंखे से फंदा लगकर की आत्महत्या

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। थाना क्षेत्र में एक 14 वर्षीय किशोर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बिहार निवासी सुनील कुमार पुत्र कैलाश अपने पिता के साथ सूमालखेड़ी गांव में रहता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, सुनील के पिता कैलाश अपने परिवार से दूर स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव सूमालखेड़ी में उदयवीर सिंह पुत्र ध्यान सिंह के यहां काम करते थे। सुनील अपने पिता के साथ ही रह रहा था। यह घटना संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। किशोर की मौत से उसके पिता और परिजनों में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

छात्रों ने किया रामलीला मंचन, वीके इंटरनेशनल स्कूल में मनाया दशहरा पर्व

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। वीके इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित दशहरा पर्व महोत्सव में रामलीला मंचन करते छात्र। नहटौर, वीके इंटरनेशनल स्कूल में दशहरा पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। छात्रों ने रामलीला का मंचन किया गया। असत्य पर सत्य की जीत होने का संदेश दिया। मंगलवार को कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक सुधीर कुमार अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, एमडी शिल्पी कुमार अग्रवाल, ईडी प्रार्थना अग्रवाल तथा स्कूल प्रधानाचार्य प्रेरणा चौधरी ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। छात्रो ने रामलीला मंचन का आयोजन किया गया। रामलीला के सभी किरदारों की भूमिका बहुत ही मनमोहक ढंग से प्रश्तुत की गई। प्रभु श्री राम की भूमिका प्रभु अग्रवाल में सभी का मन मोह लिया।

कबाड़ कारोबारी की हत्या, गोदाम में सोते हुए सिर पर वार कर मारा गया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। इलायचीपुर कॉलोनी में कबाड़ का काम करने वाले 55 वर्षीय अब्दुल रहमान की रात के समय उनके गोदाम में सिर पर नुकीली चीज़ से वार कर हत्या कर दी गई। अब्दुल अपने परिवार के साथ वहीं रहते और काम करते थे। घटना के समय वे रात का खाना खाकर सो चुके थे, लेकिन अज्ञात हमलावरों ने देर रात उनकी कनपटी पर हमला कर उनकी जान ले ली। बुधवार सुबह परिजनों ने अब्दुल का खून से लथपथ शव चारपाई पर पड़ा पाया। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। डीसीपी देहात सुरेंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि हत्या के कारणों की जांच की जा रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अब्दुल रहमान मूल रूप से बदायूं जिले के ग्राम भोजपुर, थाना बेहटा के निवासी थे। वे अपनी मां भूरी और बेटे मुश्तकीम के साथ इलायचीपुर में कबाड़ का कारोबार करते थे। इस अचानक हुई हत्या ने परिवार और आसपास के लोगों में कोहराम मचा दिया है। पुलिस ने कहा कि हत्या के सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है और जल्द ही घटना का पर्दाफाश किया जाएगा।

लक्ष्मण शक्ति और कुंभकरण वध की लीला का मंचन

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

श्री रामलीला मंडल नजीबाबाद द्वारा रामलीला मंच पर श्री राम जानकी कला परिषद के कलाकारों द्वारा 30 सितंबर व 1

अक्टूबर की बीती रात्रि लक्ष्मण शक्ति व कुंभकरण वध की लीला का मंचन किया गया।

लंका पति रावण द्वारा मेघनाद को युद्ध के लिए भेजा जाता है। राम जी के द्वारा लक्ष्मण जी को सेनापति बनाते हुए मेघनाथ से युद्ध के लिए भेजा जाता है। दोनों योद्धाओं का खूब घमासान युद्ध होता है। मेघनाद की जब कोई शक्ति और माया काम नहीं करती तो मेघनाथ द्वारा ब्रह्मा जी का आह्वान कर ब्रह्म शक्ति का प्रयोग करते हुए लक्ष्मण जी पर उसका प्रहार किया जाता है ।जिससे लक्ष्मण जी मूर्छित होकर युद्ध भूमि में गिर जाते हैं ।लक्ष्मण जी की मुर्छा से भगवान राम बहुत दुखी होते हैं।

लंका से सुषैण वैध को लक्ष्मण जी के उपचार के लिए बुलाया जाता है। सुषैण वैध द्वारा संजीवनी बूटी लाने के लिए हनुमान जी को कहां जाता है। हनुमान जी बूटी लेने के लिए भगवान राम की आज्ञा लेकर चल पड़ते हैं।

युद्ध भूमि में भगवान राम के द्वारा कुंभकरण का वध किया जाता है। राम शिवम गोयल, लक्ष्मण शिवम शर्मा, सुग्रीव आयुष भंडारी, हनुमान आकाश नामदेव, नल सौरभ सैनी, नील अपार दिवाकर, जामवंत निशांत, अंगद मयंक सैनी, भरत आयुष अमोली, रावण नमन गोयल, मेघनाद प्रियांशु सिंघल, विभीषण मनी सागर, सुषैण वैध वेश पाल, कालनेमी वंश कुशवाहा, कुंभकरण कार्तिक अग्रवाल, मेघनाथ छाया यमन गोयल के द्वारा रामलीला का मंचन किया गया।

30 साल पुराने 76.5 लाख रुपये के घोटाले का खुलासा

प्राधिकरण के 5 अधिकारी आरोपी, एक की पूर्व में मौत

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) में 30 साल पुरानी गड़बड़ी का पर्दाफाश हुआ है। मामला 1995 का है, जिसमें कौशांबी क्षेत्र में व्यावसायिक भूखंडों के आवंटन के नाम पर हुई धांधली को लेकर अब मुकदमा दर्ज किया गया है।

जांच के बाद पांच अधिकारियों और कर्मचारियों को आरोपी बनाया गया है। इनमें से एक अधिकारी की पहले ही मौत हो चुकी है। जीडीए के कनिष्ठ लिपिक प्रदीप त्यागी ने बताया कि मार्च 1995 में कौशांबी में दो व्यावसायिक भूखंड (प्रत्येक 500-500 मीटर) कालिंदी बाई स्टील एंड ट्यूब्स को आवंटित किए गए थे।

भूखंडों की कीमत 80 लाख, 39 हजार, 565 रुपए तय की गई थी। आवंटी ने केवल चार लाख रुपए जमा किए और शेष 76 लाख 39 हजार रुपए बकाया रह गए। इसके बाद भूखंड के भुगतान में विभाग के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर गड़बड़ी की।

उन्होंने उस समय ओटीएस योजना का लाभ गैरकानूनी तरीके से आवंटी को दिलवाया, जबकि यह योजना उस समय अशितत्व में ही नहीं थी। इससे जीडीए को करीब 76.5 लाख रुपये का नुकसान हुआ।

एसीपी नंदग्राम उपासना पांडे ने बताया कि कनिष्ठ लिपिक प्रदीप त्यागी की तहरीर के आधार पर तत्कालीन सहायक पटल रजनीश कौशिक (जिनकी अब मौत हो चुकी है), वरिष्ठ सहायक पटल रविंद्र कुमार (रिटायर्ड), सहायक अभियंता अजय गोयल, अधिशासी अभियंता आरएन सिंह और तत्कालीन वित्त नियंत्रक सुशील कुमार यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि उन्होंने लोकसेवक के रूप में बेईमानी की।

जांच के बाद संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह खुलासा तीन दशक पुराने घोटाले में शामिल सरकारी अधिकारियों की गुपचुप साजिश को उजागर करता है।

14 वर्षीय किशोर अगवा : पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मोदीनगर में एक 14 वर्षीय किशोर को दूध लेने जाते समय बाइक सवारों द्वारा

अगवा करने का आरोप लगा है। घटना के अनुसार आरोपियों ने किशोर को पीटा और अगवा करने का प्रयास किया, लेकिन वह राश्ते में ही उनके चंगुल से छूटकर भाग निकला। पुलिस इस मामले को संदिग्ध मान रही है।

यह घटना दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित गांव सीकरी कलां में सुबह लगभग सात बजे हुई। गांव निवासी सत्यपाल शर्मा के अनुसार उनका पौता अक्षत दूध लेने जा रहा था, तभी दो बाइक पर सवार पांच आरोपी वहां पहुंचे और अक्षत को जबरन रोक लिया।

उन्होंने किशोर की बेरहमी से पिटाई की और बाइक पर अगवा करने का प्रयास किया। आरोपियों के बस स्टैंड के पास रुके रहने के दौरान अक्षत वहां से भागकर अपनी बुआ के घर पहुंचा और घटना की जानकारी दी।

दादा सत्यपाल शर्मा ने मोदीनगर थाने में घटना की तहरीर दी। सीओ मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है।

किशोर द्वारा बताए गए स्थानों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की गई, लेकिन किसी संदिग्ध गतिविधि का पता नहीं चला। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

लूट का खुलासा, मुठभेड़ में घायल कुख्यात लुटेरा गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद के थाना ट्रोनिका सिटी क्षेत्र में पुलिस और महिला मिशन शक्ति टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए एक कुख्यात लुटेरे को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 15 सितंबर को ठोकर नंबर 7 के पास हुई मोबाइल फोन लूट की घटना की जांच के तहत की गई। 15 सितंबर को दो अज्ञात बदमाशों द्वारा मोटरसाइकिल पर सवार होकर मोबाइल फोन लूट की घटना को अंजाम दिया गया था।

घटना के बाद थाना ट्रोनिका सिटी में मुकदमा दर्ज किया गया और छानबीन शुरू की गई। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस और महिला मिशन शक्ति टीम ने संयुक्त रूप से ठोकर नंबर 7 के पास चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर एक अभियुक्त को पकड़ने की कोशिश की।

गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त राहुल उर्फ काला की निशानदेही पर जब पुलिस लूटे गए मोबाइल की बरामदगी के लिए गई, तो उसने छिपाकर रखे तमंचे से पुलिस पर फायरिंग कर दी।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली राहुल के बाएं पैर में लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने घटनास्थल से एक लूटा गया मोबाइल फोन, एक 315 बोर का अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया।

गिरफ्तार लुटेरे की पहचान राहुल उर्फ काला (32 वर्ष), पुत्र संतराम, निवासी मोहल्ला कच्चा बलराम नगर, गली नंबर 1, थाना लोनी, गाजियाबाद के रूप में हुई है।

पूछताछ में उसने मोबाइल लूट की घटना को कबूल किया है। पुलिस के मुताबिक, राहुल पर दिल्ली और एनसीआर में स्नैचिंग और लूट के आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

नूरपुर में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

हत्या का आरोप, सास- ससुर गिरफ्तार पति फरार

✷ एनसीआर टुडे. नूरपुर ✷

मृतक महिला

थाना नूरपुर क्षेत्र के ग्राम फतेहाबाद में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान पूजा पुत्री राजपाल सिंह निवासी गांव सुनगढ़ के रूप में हुई है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि पूजा की गला घोंटकर हत्या की गई है। उनके अनुसार मृतका के गले पर निशान मिले हैं। जो हत्या की ओर इशारा करते हैं।

सूचना मिलने पर सीओं चांदपुर देश दीपक सिंह स्थानीय पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम ने मौके पर जांच पडताल की।

मृतका का विवाह करीब 18 महीने पहले तुषार पुत्र नीरज निवासी ग्राम फतेहाबाद, नूरपुर से हुआ था। शव चारपाई पर पड़ा मिला। मृतका के जीजा ने बताया कि उसका पति पहले नपुंसक था, जिसका इलाज कराया गया था। बाद में पति ने दहेज़ की मांग शुरू कर दी, और इसी के चलते उसकी हत्या की गई है।

परिजनों ने पति, सास-ससुर सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने सास-ससुर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि पति और एक अन्य व्यक्ति फरार बताए जा रहे हैं।

सीओ चांदपुर देश दीपक सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।

घर से लापता युवक का दो दिन बाद भी सुराग नहीं, अनहोनी की आशंका

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

26 वर्षीय एक युवक दो दिन से अपने घर से लापता है लापता युवक की माता द्वारा युवक की गुमशुदगी की तहरीर पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की गई है। नगर के मौहल्ला फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी अष्टमी ने थाने में शिकायत देकर कहा है कि उसका 26 वर्षीय पुत्र शिवम दिनांक 30 सितम्बर की देर सायं से युवक अपने घर से लापता है परिजनों ने सभी संभावित स्थानों पर उसे तलाशा लेकिन उसका कहीं पता नहीं लगा युवक के लापता होने से उसके परिजन परेशान हैं।

लापता युवक की माता व परिजनों ने परेशान व हताश होकर युवक की गुमशुदगी की तहरीर नगीना पुलिस को देकर युवक का पता लगवाये जाने की गुहार लगाई है पुलिस ने तहरीर के आधार पर युवक की गुमशुदगी की तहरीर लेकर मामले में कार्यवाही शुरू कर दी है। उधर शिकायतकर्ता की माता अष्टमी ने अपने पुत्र का हुलिया व नाम शिवम उम्र क़रीब 26 वर्ष रंग गोरा लंबाई 5 फुट शरीर पतला काले रंग का की पेंट तथा सफ़ेद रंग की शर्ट और पैरों में जूते पहने हुए बताया हैं साथ ही निवेदन किया है कि सूचना मिलने पर उनके द्वारा दिये गए संपर्क नम्बर : 8979079162 थाना प्रभारी निरीक्षक संपर्क नम्बर : 9454403136, से सम्पर्क करें।

युवक पर हमला गाड़ी का शीशा तोड़कर निकाले कागजात व रुपए

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

थाना क्षेत्र सयोहारा के गांव फैजुल्लापुर निवासी तशरीफ अहमद पर कुछ दबंग लोगों ने हमला कर दिया। घटना दोपहर लगभग 1:30 बजे की बताई जा रही है। जब तशरीफ अहमद अपने मकान हाइडिल कॉलोनी बिजली घर से लौट रहे थे। तभी राश्ते में उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया गया। उस समय गाड़ी में उनके साथ नईम पुत्र सुलेमान निवासी मंगलखेड़ा भी मौजूद थे।

पीड़ित तशरीफ अहमद ने बताया कि हमलावरों में मो० अली, ईशान अली, हैदर अली पुत्र शराफत हुसैन, शानु पुत्र अनीस उर्फ बैंगन, बिन्नु पुत्र रमेश सिंह, ओसामा पुत्र नौमान समेत कुछ अज्ञात स्लोग शामिल थे। इस दौरान हैदर अली ने पत्थर मारकर गाड़ी का शीशा तोड़ दिया।

छीना-झपटी में हज़ारों की कागजात गायब हो गए। घटना की सूचना पीड़ित ने 112 नंबर पर समय 1:36 बजे दी। इसी बीच हमलावरों ने पीड़ित के सेल्समैन मनोज कुमार पुत्र बसंत कुमार को भी पकड़कर जमकर की मारपीट। मौके पर पहुंची पुलिस ने मनोज को हमलावरों से बचाया। पीड़ित का आरोप है कि ओसामा का पिता नौमान पुत्र अमानुल्लाह पर कई संगीन मामलों में मुकदमे लिखे हुए है। ये सभी लोग मेरा मकान कब्जाना चाहता है इस कारण मुझसे लंबे समय से रंजिश रखते आ रहे है।

इसी वजह से इस हमले की योजना बनाई गई। वही पुलिस ने आरोपियो पर मुकदमा लिख दिया है। बाकी आगे की कार्यवाही चालू है। वही पीड़ति ने कहा मेरी जान को खतरा है शासन प्रशासन मेरी जान की सुरक्षा कराए।

नवमी पर मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

बिजनौर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, भंडारे का भी आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नवदुर्गा के अंतिम दिन नवमी पर देवी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़

पड़ी। शहर के प्राचीन मां चामुंडा धाम और काली माता मंदिर में सुबह से ही हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। भक्त लंबी कतारों में खड़े होकर मां दुर्गा के दर्शन कर रहे हैं।

नवमी होने के कारण बड़ी संख्या में लोग सुबह स्नान कर मंदिरों में पूजा के लिए पहुंच रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस ने चाक-चौबंद इंतजाम किए हैं। मंदिर प्रशासन ने भी भक्तों की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। आरती के बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जो शाम तक चलेगा, जिसमें हजारों भक्त प्रसाद ग्रहण करेंगे। मां चामुंडा देवी धाम पर जागरण का आयोजन किया गया है, जिसके बाद विशाल भंडारा होगा।

मंदिर के पुजारी पंडित रविकांत शर्मा ने बताया कि जागरण के बाद भंडारा शाम तक चलेगा। मंदिर समिति के भंडारे में धर्मेंद्र चौधरी ने जानकारी दी कि अष्टमी पर भी भारी भीड़ थी और रात से जागरण चल रहा है।

चौधरी ने बताया कि सुबह 4 बजे तक आरती हुई थी। जिसके बाद हलवे का वितरण किया गया। अब जागरण की आरती के बाद माता रानी का विशाल भंडारा शुरू होगा। जो शाम तक जारी रहेगा।

बढ़ापुर में वन विभाग के पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

बढ़ापुर क्षेत्र में वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में गुलदार कैद हो गया। सुबह जब लोग खेतों पर पहुंचे तो उन्होंने पिंजरे में गुलदार को देखा और वन विभाग को सूचना दी। मौके पर गुलदार को देखने के लिए लोगों की भीड़ लग गई और मोबाइल से हर व्यक्ति वीडियो बनाते हुए दिखाई दिया। गुलदार के पिंजरे में कैद होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

मामला बिजनौर के बढ़ापुर थाना क्षेत्र के सुहावाला रेंज गांव तैयोपुर का है। जहां पर गुलदार वन विभाग द्वारा लगाया गया पिंजरे में कैद हो गया है। गुलदार के पिंजरे में कैद होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है।

बता दें कि पिछले कुछ दिनों से गुलदार ने अपना आतंक मचा रखा था। जिससे लोगों में दहशत बनी हुई थी और लोग खेतों पर जाते हुए भी डर रहे थे। गुलदार दिखाई देने के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से शिकायत की जिसके बाद मौके पर वन विभाग द्वारा पिंजरा लगाया गया जिसमें गुलदार कैद हो गया है। इसके बाद लोगों को राहत महसूस हुई है। उधर जनपद बिजनौर में गुलदार ने अपना आतंक मचा रखा है।

++++++गुलदार के हमले से अब तक कई लोगों की जान भी जा चुकी है और कई लोग गुलदार के हमले में घायल भी हो चुके हैं। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पिंजरे को अपने कब्जे में ले लिया है।

आश्रित कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष बने ओंकार

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

आश्रित कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जनपद बिजनौर में संगठन विश्तार एवं जनपद शाखाओं के निर्माण के क्रम में जिलाध्यक्ष के पद पर ओंकार सिंह को मनोनीत किया है।

आश्रित कल्याण समिति उत्तर प्रदेश (सम्बध्द राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज) के अध्यक्ष प्रभात कुमार द्वारा जनपद बिजनौर के विकासखंड कोतवाली में स्थित प्राथमिक विद्यालय सत्तारवाला के मुख्याध्यापक ओंकार सिंह को मनोनीत किया गया है। तथा उनके द्वारा आशा व्यक्त की गई है कि ओंकार सिंह अपने पदेन दायित्व का निर्वहन संगठन की गरिमा के अंतर्गत बनाए रखेंगे तथा कर्मचारी के हित में पूर्ण मनोयोग से सेवा प्रदान करेंगे। जनपद बिजनौर में ओंकार सिंह के मनोनीत किए जाने से आश्रित कर्मचारी में खुशी की लहर दौड़ गई। तथा उन्हें चारों ओर से बधाई संदेश आ रहे हैं।

चांदपुर नगर शिक्षा अधिकारी पर शिक्षिका आयशा खातून ने शोषण और लाखों की वसूली के लगाए आरोप

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

चाँदपुर नगर शिक्षा अधिकारी (एनईओ) गजेंद्र सिंह पर चांदपुर की शिक्षिका आयशा खातून ने प्रेस वार्ता कर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। शिक्षिका का कहना है कि अधिकारी पिछले तीन वर्षों से उनका मानसिक, आर्थिक और सामाजिक शोषण कर रहे हैं। आरोप है कि न केवल अश्लील संदेश व वीडियो भेजे गए, बल्कि धमकाकर बार-बार 50-50 हजार रुपये की वसूली भी की गई। पीड़िता ने चेतावनी दी है कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो वह आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर होंगी।

शिक्षिका आयशा खातून के अनुसार 7 अप्रैल 2022 से नगर शिक्षा अधिकारी लगातार व्हाट्सएप कॉल, अभद्र चैट और अश्लील वीडियो भेजते रहे। शुरुआत में सामाजिक दबाव के कारण उन्होंने संदेश डिलीट कर दिए, लेकिन बाद में परेशान होकर 6 अगशत 2022 को उनका नंबर ब्लॉक करना पड़ा। इसके बाद भी अधिकारी व शिक्षामित्र संगठन से जुड़े कुछ लोग उन्हें लगातार धमकाते रहे। पीड़िता का आरोप है कि उन्हें निलंबन, सेवा समाप्ति, एससी-एसटी एक्ट व गबन जैसे मुकदमों में फंसाने तथा "हिंदू-मुस्लिम विवाद" में उलझाने तक की धमकियां दी गईं। इस दबाव में अगशत 2022 से जुलाई 2025 तक कई बार 50-50 हजार रुपये देने पड़े। हर बार विवाद खड़ा कर सुलह के नाम पर रकम वसूली जाती रही।

शिक्षिका ने दावा किया है कि उनके पास कॉल रिकॉर्डिंग, चैट, बैंक ट्रांजेक्शन की रसीदें, वीडियो व अन्य प्रमाण मौजूद हैं। कई बार यह रकम तीसरे व्यक्तियों के माध्यम से मांगी गई। यहां तक कि सचिवालय व डीएम कार्यालय के नाम पर भी फोन कर उनसे रुपये ठगे गए।

सिर्फ व्यक्तिगत शोषण ही नहीं, पीड़िता ने नगर शिक्षा अधिकारी पर विभागीय भ्रष्टाचार के भी आरोप लगाए। कहा कि चांदपुर के कई स्कूलों की कंपोजिट ग्रांट कथित तौर पर फर्जी खातों में ट्रांसफर कराई गई। स्मार्ट क्लास की एलईडी व इंटरनेट सेटअप ऑफिस ले जाकर इश्तेमाल किए गए। इस दबाव से कई महिला अध्यापिकाओं को मजबूरी में वीआरएस (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति) लेना पड़ा। शिक्षिका ने कहा कि अधिकारी बार-बार उन्हें "चरित्रहीन" बताकर विभाग व समाज में बदनाम करते रहे। घर तक पुलिस भेजी गई, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कराए गए और झूठी शिकायतें मुख्यमंत्री पोर्टल तक की गईं।

थक-हारकर पीड़िता ने पूरा मामला जिला अधिकारी जसजीत कौर और जिला शिक्षा अधिकारी को लिखित शिकायत देकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है। अब मेरी सहनशक्ति जवाब दे चुकी है। अगर सख्त व निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो मुझे आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर होना पड़ेगा।

मेरी जान को खतरा है और इसकी जिम्मेदारी नगर शिक्षा अधिकारी गजेंद्र सिंह की होगी।इस संबंध में जिला अधिकारी जसजीत कौर ने फोन पर बातचीत में बताया कि मामले में जांच कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, बिजनौर बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि पूरी रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय भेज दी गई है। यह मामला चांदपुर शिक्षा विभाग में कथित भ्रष्टाचार, दबंगई और महिला शोषण की गंभीर तस्वीर उजागर करता है।

कविता के माध्यम से कवियों ने समाज को दिया जागरूकता का संदेश

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

नगर में उत्तर प्रदेश वरिष्ठ नागरिक महासमिति पंजीकृत शाखा द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें कवियों ने बढ- चढ़कर भाग लिया और कविता के माध्यम से समाज को संदेश दिया।

स्टेशन रोड स्थित आर्य समाज मंदिर में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें कवियों ने कविताओं के माध्यम से समाज में कुरीतियों और रूड़िया दूर करने के लिए संदेश दिया।

कविता पाठ करने वाले कवियों में डॉक्टर जितेंद्र कौशिक डॉक्टर सारंग देश असीम डॉ राम सिंह सैनी सुमन राजकुमार वर्मा जगदीश प्रसाद चौहान यशपाल सिंह परम शिव कुमार सिंह रामस्वरूप सिंह कुमारी राखी उपासना नरेश वर्मा एजाज धनपुरी अनिल शर्मा अनिल आनंद शर्मा आनंद खजान सिंह श्रीमती विनोद शर्मा भूपेंद्र कुमार अनाड़ी सुरेंद्र पाल सिंह रामकुमार सिंह नरेंद्र सिंह जीत वीरेंद्र कुमार आदि ने कविता पाठ कर लोगों को भाव विभोर किया। कार्यक्रम के मंचा सीन अतिथि धर्मेश कुमार अध्यक्ष समिति डॉक्टर इंद्रदेव सिंह जगदीश चंद्र चौहान विजयपाल सिंह आनंद सिंह दिनेश चंद नवीन आदि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश चंद्र चौहान ने की और कवि सम्मेलन का संचालन डॉक्टर सारंग देश असीम द्वारा एवं शिवकुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

शताब्दी वर्ष पर नगर में भव्य पथ संचलन, राष्ट्रभाव से सराबोर हुआ वातावरण

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बुधवार को नगर में भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। दोपहर 3:00 बजे से स्वयंसेवक मनोकामना मंदिर परिसर पर एकत्रित हुए, जहाँ सबसे पहले बौद्धिक सत्र आयोजित हुआ। इस बौद्धिक में विभाग प्रचार प्रमुख सुनील जी ने स्वयंसेवकों को अनुशासन, जातिवाद से ऊपर उठकर समाज-निर्माण, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रसेवा जैसे विषयों पर विश्तार से मार्गदर्शन दिया। बौद्धिक सत्र के उपरांत मनोकामना मंदिर से पथ संचलन का प्रारंभ हुआ, जो नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः मंदिर परिसर पर पहुँचकर सम्पन्न हुआ।

बताते चले कि नगर में भव्य पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवकों का अनुशासित दश्ता संगठित स्वरूप में आगे बढ़ता रहा। मार्ग में जगह-जगह नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर उनका हार्दिक स्वागत किया। पूरा नगर राष्ट्रभाव, अनुशासन और संगठन की शक्ति से सराबोर दिखाई दिया।

इस अवसर पर विभाग प्रचार प्रमुख सुनील जी ने कहा कि "स्वयंसेवक सदैव राष्ट्र की सेवा में तत्पर रहते हैं। हमें जातियों में बंटना नहीं है बल्कि एकजुट होकर पर्यावरण को बचाने का संकल्प लेना है। प्रत्येक व्यक्ति अपने जन्मदिन पर एक पौधा अवश्य लगाए। अनुशासन में रहकर ही हम देश को आगे बढ़ा सकते हैं।"

संपादकीय

"बुराई पर विजय : क्या रावण सच में मर गए?"

दशहरा, जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है, हमारे समाज में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस दिन रावण का दहन करके यह संदेश दिया जाता है कि बुराइयाँ समाप्त हो जाएँ और धर्म और नैतिकता की स्थापना हो। परंतु आज के दौर में यह पर्व केवल उत्सव और मनोरंजन का साधन बनता जा रहा है। रावण दहन के पुतले जलते हैं, मगर समाज में व्याप्त रावण-यानी अपराध, दुराचार और नैतिक पतन-लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

हर साल दशहरे पर लोग बड़े उत्साह के साथ रावण के पुतले फोड़ते और जला देते हैं। इसका उद्देश्य हमेशा यह रहा कि बुराइयों का नाश हो और अच्छाई की विजय हो। लेकिन वर्तमान समाज में यह प्रतीकात्मक क्रिया केवल दृश्य मनोरंजन बनकर रह गई है। लोग इसे देखने आते हैं, सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो डालते हैं, पर भीतर अपने जीवन या समाज में व्याप्त बुराइयों को बदलने का प्रयास नहीं करते।

पुराने समय में रावण महाज्ञानी, शक्तिशाली और नीति पालन करने वाला शासक था। वह भगवान शिव का उपासक था, विद्वान था, और शूरवीर भी। उसकी एक गलती-वासना के कारण सीता का हरण-उसे नाश की ओर ले गई। रावण के जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि कोई भी व्यक्ति अपनी विद्वत्ता, शक्ति या संसाधनों के बल पर नैतिक पतन के मार्ग पर टिक नहीं सकता। यदि अहंकार और वासना हृदय पर हावी हो जाए तो विनाश निश्चित है। आज का समाज भी इसी तरह के रावणों से भरा है। पुराना रावण केवल एक व्यक्तित्व था, जबकि आज के रावण हर घर, गली, शहर और गाँव में विद्यमान हैं। अपराध, हत्या, दुष्कर्म, घरेलू हिंसा, रिश्वत और भ्रष्टाचार की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह केवल पुलिस या कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि समाज के नैतिक पतन का संकेत भी है।

हमारे दशहरे के पर्व में जलते पुतले यह दिखाते हैं कि बुराई का अंत हो गया। परंतु वास्तविकता यह है कि बुराई समाज में कहीं भी कम नहीं हुई। आज के "रावण" धूर्त, अहंकारी और क्रूर हैं। वह अपने लाभ के लिए किसी की भी हानि करने से नहीं हिचकिचाते। दहेज के लिए पत्नी को जलाना, महिलाओं का अपहरण, बलात्कार और बच्चों पर अत्याचार-ये केवल कुछ उदाहरण हैं। यह सब समाज में बड़े पैमाने पर घट रहा है।

पुराने रावण ने अपने भीतर की इच्छाओं और अहंकार के कारण ही विनाश का मार्ग अपनाया। आज के रावण और भी खतरनाक हैं, क्योंकि वे केवल बाहरी शक्ति और कानून का इस्तेमाल करके अपने स्वार्थ साधते हैं। उनमें नैतिकता, ईमानदारी या धर्म के लिए कोई श्रद्धा नहीं है। परिणामस्वरूप, समाज में विश्वास और मानवता का संकट बढ़ता जा रहा है।

रावण दहन का असली उद्देश्य केवल पुतले जलाना नहीं है। यह हमें अपने भीतर के रावणों-दोष, नकारात्मक भावनाओं और बुराइयों-को पहचानने और दूर करने की शिक्षा देता है। जब तक हम अपने भीतर के अहंकार, द्वेष, झूठ, कपट और वासना को नहीं मारेंगे, तब तक समाज में स्थायी परिवर्तन संभव नहीं है। आपकी कविता "जलते पुतले पूछते…" इस संदेश को बहुत सुंदर ढंग से व्यक्त करती है। इसमें यह दिखाया गया है कि पुतले जलते हैं, पर असली रावण समाज में बढ़ते ही रहते हैं। हर वर्ष रावण का वध होता है, लेकिन मन में रावण कहीं और पनपता है। इसका अर्थ यही है कि बाहरी उत्सव केवल प्रतीकात्मक क्रिया है, जबकि असली युद्ध हमें अपने अंदर करना है। आज का समाज शिक्षित और जागरूक है, पर फिर भी बुराइयाँ बढ़ रही हैं। अपराध, दुष्कर्म, घरेलू हिंसा, भ्रष्टाचार, अनैतिक व्यापार-ये सभी आधुनिक रावणों के उदाहरण हैं। बच्चों और युवाओं पर इसका विशेष प्रभाव पड़ता है। यदि हम केवल रावण दहन के उत्सव में आनंद लेते रहेंगे और बुराइयों के खिलाफ वास्तविक प्रयास नहीं करेंगे, तो यह उत्सव खाली प्रतीक बनकर रह जाएगा। दशहरे का असली अर्थ तब पूरा होता है जब हम अपने भीतर के दोषों का संहार करें। झूठ, कपट, अहंकार, वासना और द्वेष-इन्हें पहचानकर दूर करना ही असली विजय है। यह केवल सामाजिक और नैतिक सुधार का मार्ग नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत उन्नति का भी मार्ग है। रावण का जीवन अत्यंत शिक्षाप्रद है। वह महाज्ञानी था, पर अहंकार और वासना के कारण विनष्ट हुआ। यही शिक्षा आज के समाज के लिए महत्वपूर्ण है। हमें यह समझना होगा कि बाहरी प्रतीक केवल मार्गदर्शन कर सकते हैं; वास्तविक परिवर्तन अंदर से होना आवश्यक है।

समाज में बदलाव केवल व्यक्तियों के प्रयास से संभव है। माता-पिता, शिक्षक, समाज के वरिष्ठ लोग और नीति निर्माता सभी को मिलकर युवाओं और बच्चों में नैतिक शिक्षा, सदाचार और मानवता का बीज बोना होगा। तभी दशहरे का वास्तविक संदेश-बुराई पर अच्छाई की विजय-साकार हो सकता है। यदि हम चाहते हैं कि रावण दहन का पर्व केवल जलते पुतलों तक सीमित न रहे, तो हमें अपने अंदर झूठ, कपट, अहंकार और द्वेष का अंत करना होगा। अपने समाज के भीतर व्याप्त अपराध और अनैतिकता पर विजय पाना होगा। तभी दशहरे का त्योहार न केवल उत्सव बनेगा, बल्कि वास्तविक रूप से समाज सुधार और नैतिकता का प्रतीक बनेगा।

आज के समय में रावण केवल एक व्यक्ति का नाम नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त उन सभी बुराइयों का प्रतीक है जो रिश्तों, परिवार और सामाजिक जीवन को नुकसान पहुंचाती हैं। जब तक हम अपने भीतर और समाज में इन रावणों का संहार नहीं करेंगे, तब तक दशहरे का असली अर्थ खोता रहेगा। अंततः यह केवल प्रतीकात्मक पर्व नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण और सुधार का अवसर होना चाहिए। जलते पुतले हमें केवल याद दिलाते हैं कि रावण का अंत आवश्यक है, पर असली विजय अपने भीतर और समाज में व्याप्त बुराइयों पर तभी संभव है। अगर हम यह संदेश नहीं समझेंगे, तो दशहरे के हर साल रावण का वध केवल दृश्य बनकर रह जाएगा, और समाज में वाश्तविक रावण बढ़ते रहेंगे।

अमरीका-पाक संबंध और भारत का विरोध

विकेश कुमार बडोला

ट्रंप की योजना पाकिस्तान में क्रिप्टो करेंसी कारोबार बढ़ाने की भी है। कतर, यूएई व सऊदी अरब की धन-संसाधन संपन्नता के कारण इन देशों में वे रियल एस्टेट व्यवसाय करना चाहते हैं। इसीलिए इन देशों के साथ अमेरिकी संबंध इन दिनों संतुलित दिखाई दे रहे हैं।

भारत ने अमेरिकी डेयरी उत्पादों तथा अन्य आपत्तिजनक वस्तुओं के आयात को प्रतिबंधित रखने के कारण, दीर्घावधि से प्रतीक्षित अमेरिका-भारत व्यापार अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। यही प्रमुख विषय है, जो अमेरिका-भारत के संबंधों को शिथिल कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में अल्पावधि के भारत-पाक युद्ध को रुकवाने की, ट्रंप की तथाकथित घोषणाओं-वक्तव्यों पर मौन-तटस्थ रहकर, उन्हें नकारने वाले मोदी ट्रंप को आहत कर गए... विगत सप्ताह व्हाइट हाउस ओवल कार्यालय में ट्रंप के निमंत्रण पर पहुंचे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व सेना प्रमुख आसिम मुनीर की अमेरिकी राष्ट्रपति से हुई भेंटवार्ता दुनिया के लिए नवाश्चर्य है। दोनों पक्षों की भेंट का वास्तविक कारण सार्वजनिक नहीं होने दिया गया। पृथक अथवा संयुक्त रूप में भी कोई ऐसा वार्ता-विवरण प्राप्त नहीं हुआ, जो अकस्मात हुई दोनों पक्षों की वार्तालाप का कोई ठोस उद्देश्य प्रकट कर सके।

ये गुप्त वार्ता विश्व के लिए एक असुरक्षित कूटनीतिक संकेत है। जून 2025 में भी ट्रंप ने ऐसा ही किया था। तब वे कनाडा में आयोजित हो रही जी-7 की बैठक बीच में ही छोड़, अमेरिकी ओवल कार्यालय में आसिम मुनीर के स्वागत हेतु पहुंच गए थे। उस समय जी-7 में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी का, आमंत्रित देश के प्रधान के रूप में उपस्थित होना, ट्रंप के लिए असहज हो गया था।

अतः मुनीर व ट्रंप की तत्कालीन भेंट भारत के लिए अप्रत्याशित उलझन बन गई थी। अब पुनः ट्रंप का, मुनीर व शरीफ से मिलना, भारत के लिए नई कूटनीतिक समस्या उत्पन्न कर रहा है। जनवरी में ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के साढ़े आठ माह बाद, अब जाकर पाक प्रधान शहबाज शरीफ ने उनसे पहली भेंट की है। ट्रंप की पाकिस्तानी शासकों के साथ ये उलझी हुई मैत्रीपूर्ण गुत्थी, भारत व अमेरिका के अनेक स्तरीय संबंधों को दिनोंदिन अविश्वास में धकेल रही है। दोनों पक्षों के मध्य कुल 80 मिनट की बातचीत हुई है, किंतु सूचना-सार तब भी सार्वजनिक नहीं हुआ। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका तथा पाकिस्तान का यह नवीन संधि-आग्रह अवश्य ही भारत के प्रति दोनों देशों द्वारा बनाई-अपनाई जा रही किसी न किसी दूरगामी कूटनीति का संकेत है।

इसका प्राथमिक व प्रत्यक्ष संबंध, दस दिन पहले ही अमेरिकी योजना से पाकिस्तान-सऊदी अरब के मध्य संपन्न हुए रणनीतिक सुरक्षा अनुबंध से है। भारत के प्रति पाकिस्तान के शत्रुतापूर्ण आचरण को देख-समझ कर भी अपने व भारत के अनेक क्षेत्रों के महत्त्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक सुरक्षा अनुबंध' द्वारा तिरोहित करने वाले सऊदी अरब को भारत ने दस दिनों में ही कई आघात दे दिए हैं। भारत ने अरब देश के अनेक निवेश समझौतों को समीक्षा पटल पर रख दिया है। भारत से विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों द्वारा लाभान्वित होने वाले अरबी व्यापारियों के मध्य तीव्र हलचल मची हुई है। अरब देश के सामने अत्यंत असहज स्थिति उत्पन्न हो गई है।

सऊदी ने भारत के साथ उभरती अपनी इस नवीन समस्या के बारे में जब अमेरिका को सूचित किया या अमेरिकी शासन की प्रमुख गुप्तचर मंडली ने जब इसका स्वयं संज्ञान लिया तो स्थितियों पर नया विचार हुआ। इसीलिए अधिक संभावना यही है कि इस प्रकरण पर आगे की रणनीति निर्धारित करने सऊदी की ओर से पाकिस्तानी प्रमुखद्वय ओवल कार्यालय में ट्रंप से मिलने चले गए।

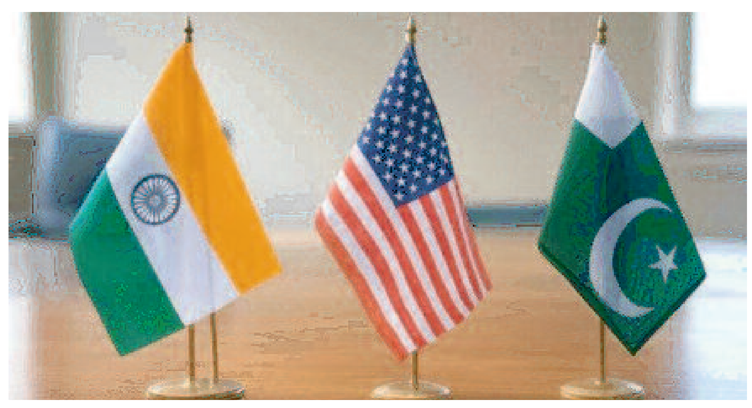

यह स्पष्ट होता चला जा रहा है कि ट्रंप भारत को अस्थिर करने पाकिश्तानी कंधे का प्रयोग कर रहे हैं अथवा पाकिश्तान समेत अनेक मध्य-पूर्वी मुसलिम देशों की हिंदू विरोधी मानसिकता को भांपकर, अपने व अपने पारिवारिक व्यवसाय के प्रसार हेतु, ऐसे देशों की भारत विरोधी कूटनीति-राजनीति को बढ़ाने में सहयोग कर रहे हैं, ताकि वे इनके साथ मनमाने व्यापारिक अनुबंध करके इनकी ओर से अमेरिकी अधिवक्ता बनने का अभिनय कर सके। ट्रंप के बारे में यह तो निश्चित है कि वे पहले देशों के मध्य कूटनीतिक व सैद्धांतिक युद्ध भडक़ाते हैं और फिर शीघ्र अयुद्धक शांति की घोषणा कर देते हैं, ताकि इसका मूल्य, अमेरिका का, अपना व्यापार बढ़ाकर अर्जित कर सकें। इसी क्रम में वे शांति का नोबल पुरस्कार पाने की इच्छा भी पाले हुए हैं।

अमेरिका सहित पूरे विश्व में 'ट्रंप आर्गनाइजेशन' नामक व्यवसाय मंच के अंतर्गत ट्रंप के सौ से अधिक व्यवसायों के लाभकारी संचालन हेतु जनसंख्या से भरे पड़े बाजारों की आवश्यकता है। विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या धारक भारत के साथ अमेरिकी अनुकूलता के आधार पर व्यापारिक अनुबंध न होने के कारण तथा चीन को अपने हिस्से की अधिक लाभांशार्जन शर्त पर व्यापार करने हेतु सहमत न कर पाने के कारण, अब अमेरिका और विशेषकर ट्रंप व उनके परिवारीजनों के व्यापार के लिए जनसंख्या से भरे पड़े जो बाजार विद्यमान हैं, वे दक्षिण एशिया में इंडोनेशिया, पाकिश्तान, बांग्लादेश के रूप में ही हैं। इसीलिए अमेरिकी शर्तों पर कुछ भी करने को सहमत होने वाले ऐसे देशों से ही अमेरिका, अमेरिकी व्यापारी तथा ट्रंप व्यावसायिक लाभार्जन करना चाहते हैं।

अमेरिका ने इसे एक व्यापारिक विकल्प भी मान लिया है कि जब तक भारत, चीन तथा अन्य बड़े व अधिक जनसंख्या वाले देशों के साथ अमेरिकी व्यापारिक अनुबंध पूर्ण नहीं होते हैं, तब तक किसी न किसी व्यापार को पाकिश्तान, बांग्लादेश तथा मध्य-पूर्वी भूभाग के मुसलिम देशों में स्थापित-प्रसारित करके लाभ भी अर्जित किया जाए तथा उन्हें ये स्वीकारोक्ति करने के लिए भी बाध्य किया जाए कि अमेरिका उन पर कृपा कर रहा है। ट्रंप की योजना पाकिस्तान में क्रिप्टो करेंसी कारोबार बढ़ाने की भी है। कतर, यूएई व सऊदी अरब की धन-संसाधन संपन्नता के कारण इन देशों में वे रियल एस्टेट व्यवसाय करना चाहते हैं।

इसीलिए इन देशों के साथ अमेरिकी संबंध इन दिनों संतुलित दिखाई दे रहे हैं। भारत ने अमेरिकी डेयरी उत्पादों तथा अन्य आपत्तिजनक वश्तुओं के आयात को प्रतिबंधित रखने के कारण, दीर्घावधि से प्रतीक्षित अमेरिका-भारत व्यापार अनुबंध पर हश्ताक्षर नहीं किए हैं। यही प्रमुख विषय है, जो अमेरिका-भारत के संबंधों को शिथिल कर रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर में अल्पावधि के भारत-पाक युद्ध को रुकवाने की, ट्रंप की तथाकथित घोषणाओं-वक्तव्यों पर मौन-तटस्थ रहकर, उन्हें नकारने वाले मोदी दूसरी बार ट्रंप को आहत कर गए। इसके बाद शुल्क प्रति शुल्क मूल्यवृद्धि, अनर्गल भारत विरोधी वक्तव्य, यूरोपीय देशों को भारत के विरुद्ध करने के आधिकारिक-अनाधिकारिक अभियान, ईरान स्थित चाबहार तट व्यापार अवसंरचना के संचालन पर पुनः प्रतिबंध, एच-1बी वीजा आवेदन के शुल्क में अत्यधिक वृद्धि, भारतीय औषधियों के आयात पर सौ प्रतिशत शुल्क जैसे निर्णयों ने, भारत के प्रति ट्रंप प्रशासन की भूमिका को अति संदिग्ध बना दिया है।

परिस्थिति देख यही प्रतीत हो रहा है कि हमारे प्रति अमेरिका का यह दुराचरण तब तक भिन्न-भिन्न नए स्वरूपों में सामने आता रहेगा, जब तक कि अमेरिकी शर्तों पर भारत-अमेरिका का व्यापार अनुबंध पूर्ण नहीं हो जाता है। शरीफ, मुनीर के साथ ट्रंप की अनियोजित भेंट का मूल उद्देश्य तो पाकिश्तान सहित अन्य मुसलिम देशों में अमेरिकी व्यापार की संभावनाएं ढूंढना है, किंतु लगे हाथ भारत के विरुद्ध पाकिश्तान के माध्यम से किसी न किसी अशुभकारी षड्यंत्र की रूपरेखा बनाना भी हो सकता है।

(स्वतंत्र लेखक)

भीड़ हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

ललित गर्ग

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ शतब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया।

सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबश्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ति और परेशान करेगा।

प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

अभिनेता विजय की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें दुखद एवं शर्मनाक है। इस राज्य में दशकों से विशाल राजनीतिक सभाओं की संस्कृति रही है, जिसे फिल्म और राजनीति के मेल ने पोषित किया है। सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन और जयललिता, सभी मुख्यमंत्री बनने से पहले फिल्मी सितारे थे। उनकी रैलियों में अक्सर लाखों लोग आते थे। स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके अभी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसकी रैलियों में प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि सिने स्टार को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है।

करीब तीन महीने पहले जून में बंगलूरू में आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में भी करीब एक दर्जन लोग मारे गए थे। हालांकि, शनिवार रात करूर में उमड़ी भीड़ किसी राजनीति जमावड़े से अधिक अपने सुपरस्टार को करीब से देखने के लिए बेताब प्रशंसकों की थी।

इसी उन्माद में, जब एक पेड़ की डाली पर चढ़े कुछ समर्थक अभिनेता की प्रचार गाड़ी के पीछे खड़े लोगों पर गिर पड़े, तो दहशत फैल गई और रैली एक हादसे में बदल गई। इसी में करीब 40 लोगों के मरने और कइयों के घायल होने की खबरें हैं।

तमिलनाडु में, 2026 में चुनाव होने हैं और टीवीके बेशक मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी हो, लेकिन दुर्घटना के बाद विजय जिस तरह से जल्दबाजी में चार्टड फ्लाइट से चेन्नई चले गए, उससे यही साबित होता है कि अभी उन्हें राजनीति के कई सबक एवं राजनीतिक मूल्यों को सीखने हैं।

क्योंकि आखिर वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? टीवीके ने तीस हजार लोगों की अनुमति ली थी और इसी हिसाब से पुलिस की तैनाती भी हुई थी। लेकिन शाम होते-होते इसके दोगुने लोग अभिनेता की एक झलक पाने को मौजूद थे।

निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है।

यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी चोट पहुंचाई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे, 1992 का बाबरी मस्जिद प्रकरण, गुजरात हिंसा, धार्मिक जुलूसों में भगदड़ या तीर्थयात्राओं में दबकर मरने वाले सैकड़ों लोग-इन सबकी जड़ में 'भीड़' है। भीड़ के भीतर छिपा हुआ सामूहिक उन्माद किसी भी क्षण हिंसा, लूट और तबाही में बदल जाता है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है।

उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी।

हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे एवं हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है।

आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

विजय और उनके समर्थक कुछ भी कहें, वे अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। इसलिए और नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने अपनी रैली में आने वाले लोगों की संख्या के बारे में भी कोई सही जानकारी नहीं दी थी। बहुत संभव है कि इसके चलते पुलिस ने भी पर्याप्त व्यवस्था न की हो।

तमिलनाडु में सेलेब्रिटी स्टेटस वाले लोगों के प्रति दीवानगी कुछ ज्यादा ही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर त्रासदी के बाद सरकारें और पुलिस प्रशासन सिर्फ 'जांच समिति' और 'मुआवजा' देने की घोषणा करके अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं।

न तो कोई ठोस नीतियां बनती हैं, न ही आयोजकों पर कठोर जिम्मेदारी तय की जाती है। आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की ढिलाई इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। यदि समय रहते सुरक्षा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सख्त व्यवस्था हो, तो ऐसी भयावह स्थितियों को टाला जा सकता है। भीड़ की त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मनोविज्ञान का भी प्रतिबिंब है।

आमजन की 'हीरो-दीवानगी' और अंधभक्ति किसी भी भीड़ को अनियंत्रित बना देती है। जब तक नागरिक चेतना में संयम और विवेक नहीं आएगा, तब तक भीड़ केवल संख्या का खेल बनी रहेगी और उसका परिणाम विनाशकारी होता रहेगा। अब वक्त आ गया है कि सरकारें भीड़ प्रबंधन को 'राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडा' में शामिल करें। राजनीतिक दलों, धार्मिक आयोजकों और सिनेमा जगत को भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करना होगा।

यह ठीक है कि करूर की घटना पर सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की, लेकिन यदि इस घटना से कोई ठोस सबक नहीं सीखा जाता तो इन संवेदनाओं का कोई मूल्य नहीं, बल्कि ये खोखली दिखावा मात्र हैं।

इसलिए यह जरूरी है कि भीड़ की हिंसा और त्रासदी को केवल 'संयोग' न माना जाए, बल्कि उसे रोकने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएं। अन्यथा यह सिलसिला न केवल जारी रहेगा, बल्कि हर बार अधिक भयावह होता जाएगा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।)

संघ शताब्दी यात्रा को मिला समाज का सहयोग

दत्तात्रेय होसबोले

स्वाधीनता के तुरंत पश्चात राजनीतिक कारणों से संघ कार्य पर तत्कालीन सरकार द्वारा जब प्रतिबंध लगाया गया, तब समाज के सामान्य जनों के साथ अत्यंत प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने विपरीत परिस्थितियों में भी संघ के पक्ष में खड़े होकर इस कार्य को संबल प्रदान किया। यही बात आपातकाल के संकट समय में भी अनुभव में आई। यही कारण है कि इतनी बाधाओं के पश्चात भी संघ कार्य अक्षुण्ण रूप से निरंतर आगे बढ़ रहा है। इन सभी परिस्थितियों में संघ कार्य एवं स्वयंसेवकों को संभालने का दायित्व माता-भगिनियों ने बड़ी कुशलता से निभाया…

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य को अभी सौ वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस सौ वर्ष की यात्रा में कई लोग सहयोगी और सहभागी रहे हैं। यह यात्रा परिश्रमपूर्ण और कुछ संकटों से अवश्य घिरी रही, परंतु सामान्य जनों का समर्थन उसका सुखद पक्ष रहा। आज जब शताब्दी वर्ष में सोचते हैं तो ऐसे कई प्रसंग और लोगों का स्मरण आता है, जिन्होंने इस यात्रा की सफलता के लिए स्वयं सब कुछ समर्पित कर दिया।

प्रारंभिक काल के वे युवा कार्यकर्ता एक योद्धा की तरह देश प्रेम से ओत-प्रोत होकर संघ कार्य हेतु देशभर में निकल पड़े। अप्पाजी जोशी जैसे गृहस्थ कार्यकर्ता हों या प्रचारक स्वरूप में दादाराव परमार्थ, बालासाहब व भाऊराव देवरस बंधु, यादवराव जोशी, एकनाथ रानडे आदि लोग डॉक्टर हेडगेवार जी के सान्निध्य में आकर संघ कार्य को राष्ट्र सेवा का जीवनव्रत मानकर जीवन पर्यन्त चलते रहे। संघ का कार्य लगातार समाज के समर्थन से ही आगे बढ़ता गया।

संघ कार्य सामान्य जन की भावनाओं के अनुरूप होने के कारण शनैः शनैः इस कार्य की स्वीकार्यता समाज में बढ़ती चली गई। स्वामी विवेकानंद से एक बार उनके विदेश प्रवास में यह पूछा गया कि आपके देश में तो अधिकतम लोग अनपढ़ हैं, अंग्रेजी तो जानते ही नहीं हैं, तो आपकी बड़ी-बड़ी बातें भारत के लोगों तक कैसे पहुंचेंगी, उन्होंने कहा कि जैसे चींटियों को शक्कर का पता लगाने के लिए अंग्रेजी सीखने की जरूरत नहीं है, वैसे ही मेरे भारत के लोग अपने आध्यात्मिक ज्ञान के चलते किसी भी कोने में चल रहे सात्विक कार्य को तुरंत समझ जाते हैं व वहीं वो चुपचाप पहुंच जाते हैं। इसलिए वे मेरी बात समझ जाएंगे। यह बात सत्य सिद्ध हुई।

वैसे ही संघ के इस सात्विक कार्य को धीरे क्यों न हो, सामान्य जन से स्वीकार्यता व समर्थन लगातार मिल रहा है। संघ कार्य के प्रारंभ से ही संपर्कित व नए-नए सामान्य परिवारों द्वारा संघ कार्यकर्ताओं को आशीर्वाद व आश्रय प्राप्त होता रहा।

स्वयंसेवकों के परिवार ही संघ कार्य संचालन के केंद्र रहे। सभी माता-भगिनियों के सहयोग से ही संघ कार्य को पूर्णता प्राप्त हुई। दत्तोपंत ठेंगड़ी या यशवंतराव केलकर, बालासाहेब देशपांडे तथा एकनाथ रानडे, दीनदयाल उपाध्याय या दादासाहेब आपटे जैसे लोगों ने संघ प्रेरणा से समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में संगठनों को खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई।

ये सभी संगठन वर्तमान समय में व्यापक विश्तार के साथ-साथ उन क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। समाज की बहनों के मध्य इसी राष्ट्र कार्य हेतु राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से मौसी जी केलकर से लेकर प्रमिलाताई मेढ़े जैसी मातृसमान हश्तियों की भूमिका इस यात्रा में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। संघ द्वारा समय-समय पर राष्ट्रीय हित के कई विषयों को उठाया गया।

उन सभी को समाज के विभिन्न लोगों का समर्थन प्राप्त हुआ, जिनमें कई बार सार्वजनिक रूप से विरोधी दिखने वाले लोग भी शामिल रहे। संघ का यह भी प्रयास रहा कि व्यापक हिंदू हित के मुद्दों पर सभी का सहयोग प्राप्त किया जाए। राष्ट्र की एकात्मता, सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द तथा लोकतंत्र एवं धर्म-संस्कृति की रक्षा के कार्य में असंख्य स्वयंसेवकों ने अवर्णनीय कष्ट का सामना किया और सैकड़ों का बलिदान भी हुआ।

इन सबमें समाज के संबल का हाथ हमेशा रहा है। 1981 में तमिलनाडु के मीनाक्षीपुरम में भ्रमित करते हुए कुछ हिंदुओं का मतांतरण करवाया गया। इस महत्वपूर्ण विषय पर हिंदू जागरण के क्रम में आयोजित लगभग पांच लाख की उपस्थिति वाले सम्मेलन की अध्यक्षता करने हेतु तत्कालीन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डा. कर्णसिंह उपस्थित रहे। 1964 में विश्व हिंदू परिषद की स्थापना में प्रसिद्ध संन्यासी स्वामी चिन्मयानंद, मास्टर तारा सिंह व जैन मुनी सुशील कुमार जी, बौद्ध भिक्षु कुशोक बकुला व नामधारी सिख सद्गुरु जगजीत सिंह इनकी प्रमुख सहभागिता रही।

हिंदू शास्त्रों में अस्पृश्यता का कोई स्थान नहीं है यह पुनस्थापित करने के उद्देश्य से श्री गुरुजी गोलवलकर की पहल पर उडुपी में आयोजित विश्व हिंदू सम्मेलन में पूज्य धर्माचार्यों सहित सभी संतों-महंतों का आशीर्वाद व उपस्थिति रही। जैसे प्रयाग सम्मेलन में न हिंदुः पतितो भवेत (कोई हिंदू पतित नहीं हो सकता) का प्रश्ताव स्वीकार हुआ था वैसे ही इस सम्मेलन का उद्घोष था- हिंदवः सोदराः सर्वे, अर्थात सभी हिंदू भारत माता के पुत्र हैं। इन सभी में तथा गौहत्या बंदी का विषय हो या राम जन्मभूमि अभियान, संतों का आशीर्वाद संघ स्वयंसेवकों को हमेशा प्राप्त होता रहा है।

स्वाधीनता के तुरंत पश्चात राजनीतिक कारणों से संघ कार्य पर तत्कालीन सरकार द्वारा जब प्रतिबंध लगाया गया, तब समाज के सामान्य जनों के साथ अत्यंत प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने विपरीत परिस्थितियों में भी संघ के पक्ष में खड़े होकर इस कार्य को संबल प्रदान किया। यही बात आपातकाल के संकट समय में भी अनुभव में आई। यही कारण है कि इतनी बाधाओं के पश्चात भी संघ कार्य अक्षुण्ण रूप से निरंतर आगे बढ़ रहा है।

इन सभी परिस्थितियों में संघ कार्य एवं स्वयंसेवकों को संभालने का दायित्व हमारी माता-भगिनियों ने बड़ी कुशलता से निभाया। यह सभी बातें संघ कार्य हेतु सर्वदा प्रेरणास्त्रोत बन गयी हैं।

भविष्य में राष्ट्र की सेवा में समाज के सभी लोगों के सहयोग एवं सहभागिता के लिए संघ स्वयंसेवक शताब्दी वर्ष में घर-घर संपर्क के द्वारा विशेष प्रयास करेंगे। देशभर में बड़े शहरों से लेकर सुदूर गांवों के सभी जगहों तक तथा समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने का प्रमुख लक्ष्य रहेगा। समूचे सज्जन शक्ति के समन्वित प्रयासों द्वारा राष्ट्र के सर्वांगीण विकास की आगामी यात्रा सुगम एवं सफल होगी। भारत का उत्थान ही संघ का लक्ष्य है।

(लेखक आरएसएस नेता है)

त्योहारों पर नफरत-हिंसा क्यों?

मंगलवार को मां दुर्गा महाष्टमी का पर्व था, तो आज पवित्र, पूजनीय नवमी का त्योहार है। पूजा-अर्चना, शांति-स्थिरता, मर्यादा, समावेशी और भाईचारे के पर्व….लेकिन जो तूफान, नफरत और उग्रता 'आई लव मुहम्मद' अथवा 'आई लव महादेव, महाकाल' सरीखे पोस्टरों के साथ पसरी थी, वह इन पवित्र पर्वों के बावजूद अब भी जारी है। यदि पोस्टरों के जरिए अपनी आस्था, श्रद्धा, भक्ति और इबादत का इजहार करना था, तो किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए थी, लेकिन प्यार का इजहार तो राजनीतिक दलों के नेताओं के प्रति होने लगा, तो यह मानसिक बौनापन और चापलूसी थी। ईश्वर या खुदा से एक अदद नेता की तुलना घोर क्षुद्रता है।

वह किसी भी अर्थ में आस्था, श्रद्धा नहीं है। फिर पोस्टर फाड़े जाने लगे। बहरहाल हमारा बेहद चिंतित सवाल है कि 'आई लव' का सिलसिला शहरों में अशांति फैलाने, हिंसा, गोलीबारी, पत्थरबाजी तक क्यों फैल गया? जो सिलसिला कानपुर के एक इलाके से शुरू हुआ, उसने बरेली में सांप्रदायिक हिंसा क्यों भडक़ाई? यह नफरती और 'सर तन से जुदा' की आग उत्तराखंड के देहरादून, महाराष्ट्र के बीड और अहिल्या नगर तथा बिहार के वैशाली तक किसने सुलगाई और उसे प्रचंड रूप दिया? बरेली के एक मौलाना हैं-तौकीर रजा। वह तन, मन, मंसूबों से हिंदू-विरोधी क्यों हैं? बरेली की सांप्रदायिक हिंसा के सबसे कट्टरवादी चेहरा वही हैं। अतीत गवाह है कि कई और मुद्दों पर वह मुसलमानों को भडक़ाते रहे हैं, नतीजतन हर बार एक हथियारबंद भीड़ सडक़ों पर उतर आती है। मौलाना फिलहाल जेल में हैं, लेकिन ऐसे चेहरों का अब पक्का इलाज करना देशहित में है। प्रशासन को बरेली में ही मौलाना की 38 कथित अवैध संपत्तियों को सील क्यों करना पड़ा। अब उन पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है।

मौलाना के पास करोड़ों की संपत्तियां कहां से आईं? उसके करीबी लोगों की 70 से अधिक दुकानें क्यों सील करनी पड़ीं? किराएदारों को फटाफट अपना सामान समेटना पड़ा। इन तमाम सवालों के जवाब शायद जांच के बाद सामने आएं! हमारा बेहद चिंतित सरोकार यह भी है कि हिंदू पर्वों, त्योहारों के दौरान ही माहौल विषाक्त करने की साजिशें क्यों की जाती रही हैं? हम ऐसा लगातार देखते रहे हैं। यदि पोस्टर फाड़े गए या जमीन पर पैगंबर मुहम्मद को लेकर रंगोली बना दी गई अथवा किसी नाश्तिक ने सोशल मीडिया पर कोई विवादित टिप्पणी कर दी, तो हर बार सडक़ों पर हथियारबंद, हिंसक जन-सैलाब उमड़ता रहेगा क्या? कानपुर में ही मौलाना सज्जाद नोमानी को यह बयान क्यों देना पड़ा कि मुसलमानों को भाजपा-आरएसएस से डर लगता है। वे खौफ में जी रहे हैं! क्यों…क्या भाजपा-आरएसएस 'आदमखोर' हैं? मौलाना बार-बार तबदीली की बात कर रहे हैं।

कैसी तबदीली? अवाम क्या चाहती है, यह तय करने वाले आप कौन हैं? हमारा देश लोकतंत्र है, उसका एक निश्चित संविधान है, संसद है और चुनाव आयोग चुनाव संपन्न कराता है। चुनाव से ही सत्ताएं तबदील और तय की जाती रही हैं और आगे भी यही व्यवस्था चलेगी। दरअसल कुछ खास मौलाना, मुल्ले, मौलवी, मुफ्ती और इमाम हैं, जो खासकर हिंदूवादी जमात और हुकूमत के खिलाफ भडक़ाते रहते हैं। शायद यही उनकी रोजी-रोटी है! अकेली बरेली हिंसा के संदर्भ में ही तौकीर रजा समेत 55-60 गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं, 3225 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं, नामजद वाले भी 100 से अधिक हैं। यह सिर्फ उप्र का यथार्थ है, जहां के शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 19.5 फीसदी और ग्रामीण इलाकों में यह दर 13.5 फीसदी है। राज्य में 29, 000 शिक्षकों की नियुक्तियां, अदालत के आदेश के बावजूद, आज भी लटकी हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

चोरी के माल के साथ बाल अपचारी दबोचा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना चण्डौस पुलिस द्वारा चोरी से संबंधित बाल अपचारी को चोरी के रुपये व आभूषण बरामद कर गिरफ्तार किया गया है। थाना चण्डौस पर पंजीकृत चोरी के मुकद्दमें में एक बाल अपचारी को उसके घर कसेरू रोड कस्वा व थाना चण्डौस से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 47500 रुपये (500-500 के 95 नोट), 01 गले का हार पीली धातु (वजन करीब डेढ तोला), 01 हथफुल पीली धातु (वजन करीब दो तोला), 01 जोडी टोप्स पीली धातु(वजन करीब एक ग्राम), 01 अंगुठी पीली धातु(वजन करीब तीन/चार ग्राम), 01 बाली कान की पीली धातु(वजन करीब एक ग्राम), 01 बाली नाक की पीली धातु(वजन करीब .5 ग्राम), 01 जोडी लटकन कान की पीली धातु(वजन करीब तीन/चार ग्राम), 01 तगडी सफेद धातु(वजन करीब सवा दो सौ ग्राम), 01 गुच्छा सफेद धातु(वजन करीब पन्द्रह ग्राम), 01 जोडी खडुआ बच्चे का सफेद धातु (वजन करीब चौबीस ग्राम), 01 कौन्दीनी बच्चे की सफेद धातु(वजन करीब बीस ग्राम), 01 जोडी खडुआ सफेद धातु(वजन करीब दो सौ ग्राम) कुल कीमत करीब 6,00,000 रुपये आदि किये हैं।

आठ वाहनों से हुटर एवं सायरन उतरवाए

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

रामनवमी एवं दशहरा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं शोभा यात्राओं की गतिविधियों के दृष्टिगत आज क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय कमलेश कुमार द्वारा प्रभारी निरीक्षक गांधी पार्क, पुलिस, पीएसी बल के साथ नगर क्षेत्र की शोभायात्रा के मार्ग अचल ताल, मदार गेट, मामू भांजा, मीरूमल चौराहा, पत्थर बाजार, रघुवीरपुरी, तहसील तिराहा होते हुए दशहरा मेला स्थल नुमाइश ग्राउंड तक पर पैदल मार्च किया गया।

शोभायात्रा के मार्ग में यातायात का उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर एवं जाति सूचक शब्द अंकित होने के कारण एक वहां से जाति सूचक शब्द और कुल 8 वाहनों से हुटर एवं सायरन उतरवाए गए एवं यातायात नियमों के अनुपालन हेतु निर्देशित किया गया। रामलीला मैदान अचल ताल से प्रारंभ होने वाली शोभायात्रा जो रावण दहन स्थल नुमाइश ग्राउंड पर पहुंचेगी के दृष्टिगत आज संपूर्ण मार्ग का ड्रोन द्वारा निरीक्षण किया गया। वीडियोग्राफी एव फोटोग्राफी की गई।

नन्हें-मुन्नों ने रची आस्था की गाथा, माता के जयकारों से गूंजा विद्यालय

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

के सी वी गुप्ता सरस्वती विद्यापीठ सिंघारपुर, मथुरा रोड अलीगढ में आज दुर्गा अष्टमी के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की झांकियां प्रश्तुत कर सबका मन मोह लिया। बच्चों द्वारा बनाई गई रंगोलियों ने पूरे परिसर को देवी स्वरूपों की भक्ति और आस्था से सराबोर कर दिया।

विद्यालय की प्रार्थना सभा में मां दुर्गा की अद्भुत झांकियां सजाई गईं, जिनमें माता के हर रूप की झलक देख विद्यालय में शिक्षक शिक्षिका भाव-विभोर हो उठे। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक-शिक्षिकाओं और बच्चों ने सामूहिक रूप से माता के स्वरूपों की पूजा-अर्चना कर जयकारे लगाए। कार्यक्रम में शामिल बच्चों को उपहार भी दिए गए।

विद्यालय के सचिव डॉ. राजीव वार्ष्णेय ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की परंपराओं के प्रति श्रद्धा विकसित करना है। उन्होंने कहा द्द हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियां हिंदू राष्ट्र और सनातन धर्म की महान परंपराओं से जुड़ी रहें। तो वहीं डॉ. अलका वार्ष्णेय ने कहा कि मां दुर्गा की झांकियों में जहां शक्ति का स्वरूप दिखा, वहीं स्त्री सम्मान का संदेश भी झलका। नन्हीं बच्चियां माता का रूप धरकर शेर पर सवार हुईं, उनके जयकारों से पूरा विद्यालय गूंज उठा।

मां काली और दुर्गा के रूपों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। ये कार्यक्रम न केवल आस्था और भक्ति का प्रतीक बना, बल्कि भारतीय संस्कृति और स्त्री सम्मान के संदेश को भी गहराई से उजागर करता दिखा। औऱ अलीगढ़ में दुर्गा अष्टमी के अवसर पर नन्हे बच्चों की झांकियों ने सबका दिल जीत लिया, माता के जयकारों से गूंज उठा पूरा विद्यालय।

बीएसएनएल ने धूमधाम से मनाई स्थापना की रजत जयंती

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

भारत संचार निगम लिमिटेड ने अपनी स्थापना के 25 गौरवशाली वर्ष पूरे होने के अवसर पर बुधवार को मुख्य दूरभाष केंद्र में रजत जयंती समारोह बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ बीएसएनएल परिचालन क्षेत्र के प्रमुख तुषार गुप्ता ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बीएसएनएल ने पिछले 25 वर्षों में जन-जन तक सस्ती, सुरक्षित और विश्वसनीय दूरसंचार सेवाएँ पहुँचाकर देश की प्रगति में अहम योगदान दिया है। आने वाले वर्षों में भी बीएसएनएल डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के संकल्पों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

उन्होंने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में बीएसएनएल के स्वदेशी निर्मित 4जी सेवाओं के लिए एक लाख टावरों का उद्घाटन किया गया है।

सीएम योगी ने बेटियों के पांव पखारे

की मातृ शक्ति की आराधना- कन्या पूजन कर अपने हाथ से परोसा भोजन

गोरखपुर , एजेंसी। मातृ शक्ति के प्रति अगाध श्रद्धा व सम्मान गोरक्षपीठ की परंपरा है। मुख्यमंत्री बनने के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने नारी सुरक्षा, स्वावलंबन और सम्मान की अनेक योजनाओं से इस परंपरा का व्यावहारिक धरातल पर विस्तार किया है। मातृ शक्ति के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करते हुए सीएम योगी ने बुधवार को शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि पर गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुरूप कन्या पूजन किया।

गोरखनाथ मंदिर में आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, उनका विधि विधान से पूजन किया, चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया, दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परंपरा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया।

बुधवार को मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंदिर के अन्न क्षेत्र के प्रथम तल स्थित भोजन कक्ष में पीतल के परात में जल से नौ नन्ही बालिकाओं के बारी-बारी पांव धोये। दुर्गा सप्तशती के मंत्रोच्चार के बीच उनके माथे पर रोली, चंदन, दही, अक्षत आदि का तिलक लगाया। पुष्प और दुर्वा से उनका अभिषेक किया। माला पहनाकर, चुनरी ओढ़ाकर, उपहार एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया।

इस दौरान उन्होंने एक छह माह की बच्ची के भी पांव पखारे और पूजन कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने हनुमानजी के वेश में आए एक बालक को भी तिलक लगाया और माला पहनाकर अंगवस्त्र ओढ़ाया। पूजन के बाद

कन्याओं और बटुकों को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद सीएम योगी ने अपने हाथों से परोसा।

नौ कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंची बालिकाओं और बटुकों का भी मुख्यमंत्री ने पूजन कर आरती उतारी। सभी को श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दिया गया।

कन्याओं व बटुकों को अपने हाथों से भोजन परोसा मुख्यमंत्री ने : अपने महराज जी (सीएम योगी आदित्यनाथ) का प्यार-दुलार पाने के लिए नन्हीं बालिकाओं व बटुकों की आतुरता देखते ही बन रही थी। सत्कार और स्नेह के भाव से मुख्यमंत्री ने एक-एक कर नौ कन्याओं व बटुक भैरव के पांव पखारे और पूजन किया। इस दौरान सीएम योगी के हाथों दक्षिणा मिलने से ये बालिकाएं काफी प्रफुल्लित दिखीं।

पूजन के बाद कन्याओं व बटुकों को स्वयं अपने हाथों से भोजन परोसते समय सीएम निरंतर संवाद भी करते रहे। यह भी ख्याल रखते रहे कि किसी भी बालक-बालिका की थाली में प्रसाद की कोई कमी न रहे। इसे लेकर वह मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देशित करते रहे।

कन्या पूजन के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, काशी से आए जगद्गुरु स्वामी संतोषाचार्य सतुआ बाबा आदि मौजूद रहे। सीएम योगी ने कन्या पूजन से पूर्व प्रातःकाल के पूजन सत्र में मंदिर के शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से आराधना की।

8 चेहरे और 121 हाथों वाली मां दुर्गा..मूर्तिकार को टेंट से मकान तक पहुंचाया- नेपाल तक छाए

गोरखपुर , एजेंसी। रुस्तमपुर में महाकाल समिति की ओर से स्थापित मां दुर्गा के 108 चेहरे और 121 हाथ वाली माता की प्रतिमा सबको आकर्षित कर रही है। इसको बनाने वाले गुलरिहा के मूर्तिकार रंजीत मद्धेशिया भी चर्चा में हैं। मुफलिसी में जीवन काटने वाले मूर्तिकार पर अब कृपा भी बरस रही है। वे बताते हैं कि बरसों टेंट में रहने वाला उनका परिवार अब अच्छे मकानों में रह रहा है।बचपन में ही पिता की मौत हो गई तो भाई ने सहारा देकर पढ़ाया। पढ़ाई के साथ ही उन्होंने मूर्तिकला में हाथ आजमानी शुरू की। आज वह इस मुकाम पर हैं कि मां दुर्गा की प्रतिमा बनाकर नेपाल तक भेज रहे हैं। सीमेंट की बनी अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं व टेराकोटा के उत्पाद भी बना रहे हैं। मूर्तिकार रंजीत मद्धेशिया सात भाइयों में छठवें नंबर पर हैं। वह बताते हैं कि चर्चा का विषय बनी माता की प्रतिमा को उन्होंने सोशल मीडिया पर देखा था। इससे प्रेरित होकर उन्होंने इस प्रतिमा को बनाने का संकल्प लिया। पिछले साल 100 हाथ व एक सिर वाली माता की प्रतिमा बनाई थी। इसके बाद 108 चेहरे व 121 हाथों वाली माता की प्रतिमा बनाई है।रंजीत बताते हैं कि उनके पिता हलवाई का काम करते थे। 28 साल पहले उनका निधन हो गया। पिता की मौत के समय वह कक्षा दो में पढ़ते थे। इसके बाद बड़े भाई विनोद ने पढ़ाया-लिखाया।

शराब के नशे में हुए झगड़े ने छोटे भाई ने बड़े पर धारदार हथियार से किया हमला, मौत

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर इलाके के कैलाश विहार (गिंदनखेड़ा) में मंगलवार की देर रात दो सगे भाइयों के बीच हुई मारपीट में बड़े भाई की मौत हो गई। बताते हैं कि शराब के नशे में हुए झगड़े के दौरान छोटे भाई ने बड़े भाई पर धारदार हथियार से हमला कर दिया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। आननफानन उसे सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आशियाना के रजनीखण्ड निवासी अविवाहित अश्वनी कुमार (33) अपने छोटे भाई गौरव और दो साथी सोनू व मोनू के साथ सरोजनीनगर के कैलाश विहार (गिन्दनखेड़ा) में किराए पर रहकर सभी अमौसी औद्योगिक क्षेत्र स्थित कमला पसंद फैक्ट्री में ठेकेदारी का काम करते थे।

बताते हैं कि अश्वनी शराब पीने का आदी था। इसी बात को लेकर भाइयों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। मंगलवार देर रात भी अश्वनी शराब के नशे में कमरे पर पहुंचा और किसी बात को लेकर दोनों भाइयों में झगड़ा हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि छोटे भाई गौरव ने ताबड़तोड़ धारदार हथियार से वार कर दिया। हमले से अश्वनी बुरी तरह घायल हो गया। आननफानन गौरव ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरोजनीनगर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सरोजनीनगर थाना प्रभारी राजदेव राम प्रजापति ने बताया कि घटना के समय सोनू और मोनू कमरे पर मौजूद नहीं थे। गौरव ने हत्या की है या फिर झगड़े के दौरान किसी लोहे की वस्तु से चोट लगने से मौत हुई है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। उधर मृतक के मां की कई वर्ष पहले मौत हो चुकी है और पिता राजेश कुमार दूसरी शादी कर महोबा में रहते हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

तीन लाख की सुपारी देकर कराई बाइक शोरूम के स्वामी की हत्या

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना रोरावर क्षेत्र के खेरेश्वर चौराहा पर बाइक शोरूम स्वामी की हत्या में पुलिस ने शूटर को पुराने मथुरा बाईपास पुल के नीचे से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को शातिर के पास से हत्या में प्रयुक्त अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस व हत्या में ली गई रकम में से बचे 7200 रुपये बरामद किए हैं।

मामले में आरोपी अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव पूजा शकुन पांडेय की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। आरोपी तक तक पहुंचने के लिए लगातार सीसीटीवी कैमरे से सुराग तलाशे जा रहे हैं।

एसएसपी नीरज जादौन ने बताया कि बाइक शोरूम स्वामी अभिषेक गुप्ता हत्याकांड में दो शूटरों में से एक मोहम्मद फजल पुत्र मोहम्मद नसीर निवासी गोंडा रोड नीवरी थाना रोरावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। दूसरे साथी आसिफ की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पकड़े गए नीवरी निवासी शूटर मोहम्मद फजल ने पूछताछ में बताया कि मोहम्मद फजल अशोक पांडेय को 7-8 साल से

जानता है। लगभग एक डेढ़ माह पहले अशोक पांडेय के घर वैल्डिंग का काम चल रहा था। तब अशोक पांडेय ने मोहम्मद फजल से एक लड़के की हत्या के लिए कहा। मोहम्मद फजल ने नीवरी मोड़ निवासी आसिफ पुत्र नाजिर से बात कराई।

मृतक के टीवीएस शोरूम पर रैकी की

उसके बाद मोहम्मद फजल, आसिफ की अशोक पांडेय व पूजा शकुन पांडेय के साथ घर पर मीटिंग हुई। वहां पूजा शकुन पांडेय ने अभिषेक गुप्ता का फोटो दिखया कि इसकी हत्या होनी है। हत्या के लिए तीन लाख रुपये तय हुए। एक लाख एडवांस दिए गए। खैर में मृतक के टीवीएस शोरूम पर रैकी की। फजल और आसिफ बाइक पर सवार होकर अभिषेक के पीछे लग गए। खेरेश्वर चौराहे पर अभिषेक गुप्ता, उसके पिता, चचेरे भाई बस से उतर कर पैदल सिकंदराराऊ की ओर जाने वाली बस में चढ़ रहे थी, तभी गोली चलाकर दोनों फरार हो गए। जांच में सामने आया है कि अगश्त व सितंबर में आरोपी की अशोक पांडेय से 27 बार और पूजा शकुन पांडेय से 11 बार कॉल पर बात हुई।

पूजा शकुन पाण्ड़ेय के साथ दूसरे शूटर की तलाश जारी

एसएसपी नीरज जादौन ने बताया कि शूटर के दूसरे साथी आसिफ और पूजा शकुन पांडेय की तलाश में पुलिस टीमें लगी हुई हैं। जल्दी ही दोनों गिरफ्तार किए जाएंगे। पकड़े गए मोहम्मद फजल का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। हाथरस के सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव कचौरा निवासी बाइक शोरूम संचालक अभिषेक गुप्ता की हत्या 26 सितंबर देर शाम खेरेश्वर चौराहा पर बाइक सवार शूटरों ने कर दी थी। इसमें परिजनों ने अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय, उनके पति राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक पांडेय व दो अज्ञात आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने अशोक पांडेय को 28 सितंबर को जेल भेज दिया था।

नैनी सेंट्रल जेल में बंद माफिया अतीक अहमद के बेटे अली को भेजा गया झांसी जिला जेल, देर रात आया फरमान

प्रयागराज , एजेंसी। माफिया अतीक अहमद के बेटे मोहम्मद अली को केंद्रीय कारागार नैनी से झांसी जिला जेल स्थानांतरित कर दिया गया है। इस संबंध में शासनादेस देर रात नैनी जेल में पहुंचा था। बुधवार को सुबह करीब साढ़े सात बजे भारी सुरक्षा बल की मौजूदगी में अली अहमद को लेकर जिला जेल झांसी के लिए रवाना कर दिया गया।

माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद ने पांच करोड़ की रंगदारी मामले में 30 जुलाई 2022 को कोर्ट में सरेंडर किया था। उस पर प्रॉपर्टी डीलर जीशान उर्फ जानू से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप है। लंबे समय तक फरार रहने के बाद उसने कोर्ट में सरेंडर किया था। इसके बाद ही उसे नैनी सेंट्रल जेल भेजा गया था। उमेश पाल हत्याकांड के बाद उसे हाई सिक्योरिटी बैरक से हाई सिक्योरिटी सेल के आठ बाई दस के कमरे में शिफ्ट कर दिया गया था। साथ ही उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए चार सीसीटीवी कैमरे और तीन शिफ्ट में दो-दो सिपाहियों की ड्यूटी लगाई गई थी।

डीआईजी जेल के निरीक्षण में बैरक से बरामद हुई थी नकदी: 17 जून 2025 को

अली की बैरक से कैश बरामद हुए थे। जेल प्रशासन के अनुसार उसके पास से 1100 रुपये नकद मिले थे। डीआईजी जेल राजेश कुमार श्रीवास्तव ने उसकी बैरक में छापेमारी कर पैसा बरामद किया था। मामले में एक डिप्टी जिला और एक हेड वार्डन को निलंबित करते हुए उसके सेल की सुरक्षा व्यवस्था पर निगरानी बढ़ा दी गई। इसी के बाद से उसे नैनी जेल से हटाने की कवायत चल रही थी। उत्तर प्रदेश के डीजी जेल (महानिदेशक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं) पीसी मीणा ने जुलाई 2025 में कार्यभार संभाला था। कार्यभार संभालने के बाद वह नैनी केंद्रीय कारागार व जिला जेल का निरीक्षण करने पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अली के बैरेक को भी देखा था और उससे बातचीत की थी। बातचीत के दौरान अली ने डीजी जेल से खुद को हाई सिक्योरिटी सेल से हटकर अन्य बंदियों के साथ रखने की मांग की थी।

एक लाख के बदले पांच लाख: सोशल मीडिया पर जाली नोट का धंधा, इंस्टाग्राम पर खुलेआम हो रही सौदेबाजी

गोरखपुर , एजेंसी। धंधेबाज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुलेआम नकली नोटों का सौदा कर रहे हैं। अलग-अलग आईडी के जरिये खुलेआम नकली नोट के सौदे का ऑफर देते हैं। जैसे ही कोई संपर्क करता है धंधेबाज एक लाख असली के बदले तीन लाख के जाली नोट की शर्त बताते हुए सैंपल में वीडियो और फोटो भेज देते हैं। अभी कुछ दिन पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये ही 962168....नंबर पर फोन कर जाली नोट की डील की चर्चा हुई थी।

धंधेबाज ने तुरंत नोटों की अदला बदली पर सहमति जता दी। दरअसल, इन दिनों सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल ने अपराधियों के लिए भी नया रास्ता खोल दिया है। युवा सोशल मीडिया पर जीरो इन्वेस्टमेंट डबल इनकम जैसे ों देखकर गलत रास्ते पर जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर इस बारे में की गई पड़ताल में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। इंस्टाग्राम पर अनगिनत फर्जी अकाउंट दिखें, जो एक का सात, तीन का दस, पांच का पंद्रह और दस का सौ का ऑफर देते नजर आते हैं।

ये सब नकली के बदले असली के भाव हैं। जैसे, एक का सात, मतलब एक नोट असली दो और सात नोट नकली लो। मतलब अगर आप सौ के नोटों का एक बंडल मतलब दस हजार देते हैं तो बदले में आपको सात बंडल यानी 70 हजार के नकली नोट मिलेंगे। ऐसे ही बातचीत में एक लाख असली नोटों के बदले पांच लाख रुपये नकली का ऑफर भी सामने आया। नोट पहुंचाने का पूरा रिस्क धंधेबाज खुद उठाने को तैयार हैं।

जमीन की खरीद बिक्री में होता है प्रयोग : धंधेबाज जाली नोट खपाने का तरीका भी बताते हैं। पेट्रोल पम्प पर ईंधन लेते और दुकानों से सामान लेते हुए नकली नोट खपाने का वीडियो भी शेयर करते हैं। बताते हैं कि कैसे आसानी से जाली नोट खपाए जा रहे हैं।

शिक्षकों का पहले किया तबादला, अब कर रहे वापस... भारी नाराजगी और असमंजस का माहौल

लखनऊ , एजेंसी। बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षकों के तबादले को लेकर गंभीर प्रशासनिक भ्रम की स्थिति बन गई है। पहले शिक्षामित्रों को नियमित शिक्षक मानकर तबादले किए गए लेकिन अब जब कई विद्यालय एकल या शिक्षकविहीन हो गए तो विभाग उन्हीं तबादलों को निरस्त करने लगा है। मेरठ, महराजगंज, शाहजहांपुर समेत कई जिलों में शिक्षकों को वापस उनके मूल विद्यालयों में बुलाया जा रहा है, जिससे शिक्षकों में भारी नाराजगी और असमंजस का माहौल है।

जून और अगस्त में लंबी कवायद के बाद शिक्षकों के जिले के अंदर परस्पर तबादले किए गए थे। इसमें जून में 20182 शिक्षकों का जिले के अंदर सामान्य तबादला किया गया था। वहीं अगस्त में 5378 शिक्षकों का तबादला हुआ था। उस समय विभाग का यह दावा था कि उसने सभी आवश्यक चीजें देखकर तबादले किए हैं। साथ ही बीएसए को भी नियमानुसार ही शिक्षकों को जॉइन कराने का निर्देश दिया था। अब गौतमबुद्धनगर, औरैया, हमीरपुर, महाराजगंज, शाहजहांपुर, मेरठ आदि कई जिलों में बीएसए की ओर से शिक्षकों के तबादले से जुड़े आदेश जारी किए जा रहे हैं। इनमें कहा गया है, तबादले के बाद यह पता चला कि जिले के कई

विद्यालय शिक्षकविहीन हो गए हैं। इसकी वजह से विसंगति पैदा हो रही है।

बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जिन शिक्षकों के तबादले के बाद विद्यालय एकल या शिक्षकविहीन हो गए हैं। वहां के शिक्षकों को तत्काल उनके मूल विद्यालय में वापस लाने की कार्यवाही की जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट करें कि विद्यालय के एकल या शिक्षकविहीन होने के लिए कौन उत्तरदायी है? अब दो-तीन महीने बाद तबादला निरस्त करने से शिक्षकों में काफी नाराजगी है। आखिर यह विभाग की कैसी मनमानी व नियमावली है कि जब चाहा तबादला किया और जब चाहा निरस्त कर दे रहे हैं।

पहले हुई गलती या अब

तबादला प्रक्रिया में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह गलती हुई कब। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी की ओर से आठ अगस्त को जारी आदेश के बिंदु संख्या छह में स्पष्ट कहा गया है कि स्वेच्छा से तबादला व समायोजन प्रक्रिया में शिक्षकों को कार्यमुक्त करने से विद्यालय एकल या शिक्षकविहीन हो रहे हैं, तो उनको कार्यमुक्त नहीं किया जाएगा। ऐसे में या तो उस समय तबादलों में गलती हुई या अब गलत किया जा रहा है?बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र तिवारी का कहना है कि यह कुछ शिक्षकों का ही मामला है। कुछ जगह पर स्कूलों का मर्जर निरस्त होने के बाद स्थितियां बदली हैं। यह देखा जाएगा कि पहले दिए गए निर्देशों का पूरी तरह से पालन किया गया है या नहीं? इसमें जिस अधिकारी की गलती मिलेगी उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी।

ऑनलाइन गेम के जाल में फंसकर छात्र ने दी थी जान, पुलिस की गिरफ्त में आए दो लोग, ठगी गई रकम बरामद

लखनऊ , एजेंसी। ऑनलाइन गेम के जाल में फंसकर चौदह लाख रुपये गंवाने वाले धनुवासाड गांव के कक्षा छह के छात्र यश (13) ने फंदा लगाकर जान दे दी थी। मामले में यश के पिता सुरेश की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने व ब्लैकमेल कर रुपये ठगने का केस दर्ज किया था।

छात्र के जान देने के मामले में पुलिस ने पड़ताल शुरू की तो कई फोन नंबर, बैंक खाते व लोगों के नाम सामने आए थे जिनमें जमशेदपुर झारखंड, वाराणसी, बिहार और पंजाब के लोग शामिल हैं। ठगों के नाम सामने आने व पुख्ता सबूत मिलने पर पुलिस, सर्विलांस व साइबर सेल की संयुक्त टीम वाराणसी व जमशेदपुर पुलिस पहुंची और दो लोगों को पकड़कर मोहनलालगंज ले आई।

पकड़े गए लोगों में एक नाबालिग भी है। पकड़े गए लोगों के पास से ठगे गए आठ लाख रुपये व मोबाइल बरामद हुआ है। जांच मे सामने आए अन्य लोगों की तलाश में पुलिस टीम लगी हुई है।

ओलिंपियन दीपक पूनिया ने सगाई की

पिता के प्रॉपर्टी डीलर दोस्त की बेटी से हुआ रिश्ता

बहादुरगढ़ (एजेंसी) हरियाणा में झज्जर के रहने वाले अंतरराष्ट्रीय पहलवान और ओलिंपियन दीपक पूनिया जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। बहादुरगढ़ में उनकी शिवानी के साथ रिंग सेरेमनी हुई। शिवानी निलौठी गांव की रहने वाली हैं। फिलहाल वह संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रही हैं। उनका सपना आईएएस अफसर बनने का है। शिवानी और दीपक के पिता अच्छे दोस्त हैं। दोनों परिवारों ने दोस्ती को आगे बढ़ाते हुए दोनों बच्चों का रिश्ता तय किया है। रविवार को हुए रिंग सेरेमनी प्रोग्राम में सिर्फ दोनों परिवार और करीबी ही शामिल हुए। दीपक के पिता का कहना है कि जल्द ही दोनों परिवारों की सहमति से शादी की तारीख तय की जाएगी।

रोहतक के जाट कॉलेज से एमए की

शिवानी के पिता अनूप प्रॉपर्टी डीलिंग के साथ खेती करते हैं। अनूप ने बताया कि मेरे 2 बच्चे हैं। शिवानी बड़ी बेटी है। छोटा बेटा 9वीं क्लास में पढ़ता है। मेरी पत्नी हाउस वाइफ हैं। शिवानी ने रोहतक के जाट कॉलेज से इंग्लिश में ऋ की है। इसके अलावा वह बीएड भी कर चुकी है।

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 में नेपाल को 10-विकेट से हराया

शारजाह (एजेंसी)। शारजाह में खेले गए आखिरी टी-20 मैच में वेस्टइंडीज ने नेपाल को 10 विकेट से हराया। इस जीत के साथ कैरिबियाई टीम ने नेपाल को क्लीन स्वीप करने से रोक दिया। नेपाल शुरुआती दो मुकाबले जीतकर सीरीज पहले ही अपने नाम कर चुका था। यह पहला मौका है जब वेस्टइंडीज ने किसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 10 विकेट से जीत दर्ज की। इससे पहले वह चार बार 9 विकेट से जीत चुका है। वहीं, नेपाल को पहली बार टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम 19.5 ओवर में 122 रन पर सिमट गई। वेस्टइंडीज ने बिना विकेट खोए 12.2 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

पावर प्ले में नेपाल ने एक विकेट पर 37 रन बनाए– नेपाल की शुरुआत धीमी रही। पावरप्ले में नेपाल ने 1 विकेट खोकर 37 रन बनाए। कुशल भुर्टेल ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके।वेस्टइंडीज की ओर से रेमन सिमंड्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 15 रन देकर 4 विकेट चटकाए।

चाइना ओपन में जैनिक सिनर का दबदबा कायम, दूसरी बार किया चाइना ओपन पर कब्जा

बीजिंग (एजेंसी)। इटली के जैनिक सिनर ने बुधवार को पुरुष एकल फाइनल में अमेरिकी युवा खिलाड़ी लर्नर टिएन को 6-2, 6-2 से हराकर दूसरी बार चाइना ओपन का खिताब अपने नाम किया। दुनिया के नंबर-2 और शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर ने सिर्फ 34 मिनट में पहला सेट जीत लिया और फिर दूसरे सेट में भी दबदबा बनाए रखा। 19 वर्षीय टिएन, जो अपने पहले एटीपी फाइनल में उतरे थे, शुरुआती चार गेम तक टक्कर देते रहे लेकिन सिनर ने पांचवें और सातवें गेम में उनकी सर्विस तोड़कर मैच पर कब्जा कर लिया। 24 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने 1 घंटे 12 मिनट में सीधी सेटों में जीत हासिल की। यह सिनर का लगातार तीसरा बीजिंग फाइनल था। 2023 में उन्होंने कार्लोस अल्काराज और दानिल मेदवेदेव को हराकर खिताब जीता था, जबकि पिछले साल वह उपविजेता रहे थे। दूसरी ओर, टिएन ने लोरेंजो मुसेट्टी और मेदवेदेव जैसे खिलाड़ियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया और उभरते सितारे के रूप में अपनी पहचान बनाई।

अभिषेक शर्मा ने रचा इतिहास

एशिया कप में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के साथ सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में एक नया सितारा उभरकर सामने आया है। अभिषेक शर्मा, भारत के बाएँ हाथ के सलामी बल्लेबाज, ने बुधवार को टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग (931 अंक) हासिल कर इतिहास रच दिया। इस रिकॉर्ड ने पिछले पांच साल से कायम इंग्लैंड के डेविड मलान के 919 अंकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

एशिया कप में धमाकेदार प्रदर्शन – एशिया कप 2025 में अभिषेक का प्रदर्शन यादगार रहा। श्रीलंका के खिलाफ अहम मैच में उन्होंने अर्धशतक बनाकर भारत को जीत दिलाई। इस टूर्नामेंट में उन्होंने कुल 314 रन बनाए और औसत 44.85 रही। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट का पुरस्कार भी मिला। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव और अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली की पिछली सर्वोच्च रेटिंग को भी अभिषेक ने पीछे छोड़ दिया। इस समय वह इंग्लैंड के फिल साल्ट से 82 अंक आगे हैं और बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं। टीम साथी तिलक वर्मा ने भी 213 रन बनाए, लेकिन शीर्ष स्थान पर अभिषेक की पकड़ शानदार रही।

युवा लेकिन अनुभवी अंदाज – हालांकि अभिषेक ने पिछले साल ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, लेकिन उनका क्रिकेट बुद्धिमानी और साहस पहले ही मैचों में दिख गया। उनकी बैटिंग शैली में संयम, आक्रामकता और मैच के दबाव को संभालने की क्षमता साफ़ झलकती है।

टी20 क्रिकेट में भारतीय भविष्य – अभिषेक शर्मा का यह रिकॉर्ड यह साबित करता है कि भारत की नई पीढ़ी के बल्लेबाज विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। उनका प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए न केवल शानदार शुरुआत है, बल्कि टी20 क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट की बढ़ती ताकत का भी प्रतीक है।

टी-20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा का वर्ल्ड रिकॉर्ड

- 14 साल के इतिहास में सबसे ज्यादा पॉइंट्स वाले बल्लेबाज, गेंदबाजी में वरुण नंबर-1

दुबई (एजेंसी)। टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा ने टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। अभिषेक टी-20 रैंकिंग के 14 साल के इतिहास में सबसे ज्यादा रेटिंग पॉइंट्स लाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के डेविड मलान के पांच साल से जारी रिकॉर्ड को तोड़ा है। आईसीसी ने टी-20 रैंकिंग की शुरुआत 2011 में की थी। एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ मैच के बाद अभिषेक के 931 रेटिंग पॉइंट्स हो गए थे। यह टी-20 क्रिकेट में किसी भी बल्लेबाज के रेटिंग पॉइंट्स का अब तक का सबसे बड़ा नंबर है। पिछला रिकॉर्ड मलान के नाम था। मलान ने 2020 में 919 पॉइंट्स हासिल किए थे। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच में अभिषेक 6 रन ही बना पाए थे। लिहाजा उनके पांच पॉइंट्स कम हुए। बुधवार को जारी रैंकिंग में वे 926 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं।

तिलक वर्मा तीसरे नंबर पर, टॉप-10 में तीन भारतीय– इस समय टॉप-10 टी-20 बल्लेबाजों में तीन भारतीय शामिल हैं। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में नाबाद 69 रन बनाने वाले तिलक वर्मा तीसरे नंबर पर हैं। उनके 819 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं, कप्तान सूर्यकुमार यादव (698 पॉइंट्स) आठवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे और जोस बटलर चौथे स्थान पर हैं। एशिया कप में भारत के खिलाफ सेंचुरी जमाने वाले श्रीलंका के पथुम निशांका पांचवें नंबर पर हैं।

बॉलिंग में नंबर-1 वरुण टॉप-10 में इकलौते भारतीय

टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के वरुण चक्रवर्ती 803 पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं। वरुण टॉप-10 में इकलौते भारतीय गेंदबाज हैं। कुलदीप यादव 12वें और अक्षर पटेल 13वें स्थान पर हैं। जसप्रीत बुमराह 29वें नंबर पर हैं। बुमराह से ऊपर रवि बिश्नोई 16वें और अर्शदीप सिंह 23वें स्थान पर हैं।

हार्दिक को पीछे छोड़ सईम बने नंबर-1 ऑलराउंडर– पाकिस्तान के सईम अयूब भारतीय स्टार हार्दिक पंड्या को पीछे छोड़ टी-20 क्रिकेट में नंबर-1 ऑलराउंडर बन गए हैं। सईम के 241 रेटिंग पॉइंट्स हैं। हार्दिक के 233 पॉइंट्स हैं। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी तीसरे और नेपाल के दीपेंद्र सिंह चौथे नंबर पर हैं। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा पांचवें स्थान पर हैं।

टीम रैंकिंग में भारत पहले से नंबर-1– टी-20 टीम रैंकिंग में भारत पहले से नंबर-1 पर मौजूद है। टीम इंडिया के 272 पॉइंट्स हैं। ऑस्ट्रेलिया (266 पॉइंट्स) दूसरे और इंग्लैंड (257 पॉइंट्स) तीसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान सातवें नंबर पर है। उसके 233 पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड चौथे, साउथ अफ्रीका पांचवें और वेस्टइंडीज छठे नंबर पर है।

मिचेल मार्श की विस्फोटक बल्लेबाजी

पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया की न्यूजीलैंड पर शानदार जीत

माउंट मॉन्गानुई (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। कप्तान मिचेल मार्श (85) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को पहले टी-20 मुकाबले में 21 गेंदें शेष रहते न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 67 रन जोड़े। छठे ओवर में मैट हेनरी ने ट्रैविस हेड (18 गेंदों में 31 रन) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट 12वें ओवर की पहली गेंद पर मैथ्यू शॉर्ट (18 गेंदों में 29 रन) के रूप में गिरा। उन्हें काइल जेमीसन ने पगबाधा आउट किया। 15वें ओवर में मैट हेनरी ने शतक की ओर बढ़ रहे मिचेल मार्श को टिम रॉबिंसन के हाथों कैच आउट करा दिया। मिचेल मार्श ने 43 गेंदों में पांच छक्के और नौ चौके लगाते हुए 85 रनों की पारी खेली। एलेक्स कैरी सात रन बनाकर आउट हुये। उन्हें जैकरी फॉक्स ने आउट किया।

कैथरीन डेब्रनर ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन डेब्रनर ने बुधवार सुबह 3:16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया। इसी के साथ वह इस चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं। गत चैंपियन झोउ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गईं। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी। पुरुषों की शॉट पुट एफ36 स्पर्धा में व्लादिमीर स्विरिडोव (न्यूट्रल पैरा एथलीट) ने अपने अंतिम प्रयास में 17.01 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। पिछली बार सकर्ल में प्रवेश करने पर, रूस में जन्मे इस एथलीट ने 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर गत

चैंपियन यासीन गुएनिची (ट्यूनीशिया) से बढ़त हासिल की थी, लेकिन आखिरी प्रयास में गुएनिची उनसे आगे निकल गए। गुएनिची पहले दो राउंड के बाद 16.57 मीटर और 16.74 मीटर के थ्रो के साथ आठ एथलीटों के समूह में सबसे आगे थे, लेकिन पाँचवें राउंड में स्विरिडोव के आगे निकलने के बाद, ट्यूनीशियाई एथलीट ने अपने छठे प्रयास में 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर काउंटबैक में बढ़त बना ली और रूस में जन्मे दो बार के पैरालंपिक खेलों के चैंपियन पर अपनी पहली जीत दर्ज की।

वैभव सूर्यवंशी का धमाकेदार प्रदर्शन जारी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाया चौथा सबसे तेज शतक

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरीं। 14 साल की उम्र में ही वह रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रहे हैं। इयान हीली ओवल में खेले जा रहे यूथ टेस्ट में सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ सिर्फ 78 गेंदों पर शतक ठोकते हुए इतिहास का चौथा सबसे तेज यूथ टेस्ट शतक जड़ दिया।

वनडे में भी बरपाया तूफान – सिर्फ टेस्ट ही नहीं, सूर्यवंशी ने हाल ही में वनडे में भी तहलका मचाया है। पिछले हफ्ते ब्रिस्बेन में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 68 गेंदों पर 70 रन बनाते हुए यूथ वनडे क्रिकेट में सबसे ज़्यादा करियर छक्कों का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने पूर्व भारतीय अंडर-19 कप्तान उन्मुक्त चंद का 38 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा और मात्र 10 पारियों में 41 छक्कों तक पहुंच गए।

- **सबसे तेज यूथ वनडे शतक का भी रिकॉर्ड** – इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ चौथे यूथ वनडे में सूर्यवंशी ने 78 गेंदों पर 143 रन बनाए। उस पारी में उन्होंने केवल 52 गेंदों पर शतक जड़ा, जिससे वह अंडर-19 वनडे में सबसे तेज़ शतकवीर और सबसे कम उम्र के शतकवीर बन गए।
- **आईपीएल में भी दिखा चुके हैं जलवा** – वैभव सूर्यवंशी सिर्फ अंडर-19 स्तर तक ही सीमित नहीं हैं। 14 साल और 23 दिन की उम्र में उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल डेब्यू किया और सबको चौंका दिया।
- **ब्रेंडन मैकुलम के बाद अनोखा कारनामा** – वैभव सूर्यवंशी अब इतिहास के केवल दूसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने अंडर-19 टेस्ट क्रिकेट में 100 से कम गेंदों पर दो शतक लगाए हैं। उनसे पहले यह कारनामा न्यूज़ीलैंड के दिग्गज ब्रेंडन मैकुलम ने किया था। सूर्यवंशी ने पिछले साल चेन्नई में भी ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ 58 गेंदों में शतक लगाया था, जो मोईन अली के बाद दूसरा सबसे तेज यूथ टेस्ट शतक माना जाता है।
- **धमाकेदार पारी, ताबड़तोड़ स्ट्रोक्स** – बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने बुधवार को 86 गेंदों में आठ छक्के और नौ चौकों की मदद से 113 रन बनाए। हालांकि, हेडन शिलर ने उन्हें आउट कर दिया, लेकिन तब तक वह मैच के नायक बन चुके थे। भारतीय पारी में वेदांत त्रिवेदी ने भी गजब का योगदान दिया। उन्होंने 192 गेंदों पर 140 रन बनाकर पारी को मजबूती दी।

तमीम इकबाल ने बीसीबी चुनावों से वापस लिया नामांकन

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने छह अक्टूबर को होने वाले बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनाव से अपनी बुधवार को उम्मीदवारी वापस ले ली है। बाए हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने आज औपचारिक रूप से अपना नामांकन पत्र वापस लेने के लिए बीसीबी मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने बाद में संवाददाता सम्मेलन में कहा, आप जानते हैं कि आज हमने अपना नामांकन वापस ले लिया है। मुझे मिलाकर हममें से लगभग 14-15 लोगों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। इस वापसी का कारण सभी को पता है मुझे नहीं लगता कि आपको कोई विवरण या स्पष्टीकरण देने की आवश्यकता है। तमीम ने शुरुआत में बीसीबी चुनाव में निदेशक पद के लिए चुनाव लड़ने में रुचि दिखाई थी, लेकिन आखिरी समय में उन्होंने अपना मन बदल लिया। नामांकन दाखिल करने के बाद, उन्होंने खुले तौर पर इस प्रक्रिया में सरकारी हस्तक्षेप का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मैं शुरू से ही एक बात कहता रहा हूं और अब आप सभी इस बारे में स्पष्ट हैं... यह चुनाव किस दिशा में जा रहा है या इसे कैसे संचालित किया जा रहा है। जो भी किसी भी समय सही लगता है, जो भी वे करना चाहते हैं, किया जा रहा है।